राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

(वि.अ.ए. अनुभाग 3, अधिनियम 1956 के अधीन स्थापित विश्वविद्यालय)

तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा 2015 में
'ए' श्रेणी में 4 बिंदु के स्केल पर 3.71 की सी.जी.पी.ए. के साथ मान्यता प्राप्त और
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पारंपरिक शास्त्र अध्ययन के लिए
उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त

वार्षिक प्रतिवेदन

2015-2016

(हिंदी अनुवाद)

वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16 और
वार्षिक लेखा, चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रमाण पत्र और परीक्षित प्रतिवेदन - 2015-16

मुद्रण और प्रकाशन - कुलसचिव
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय, तिरुपति
दूरः 0877-2286799-फैक्स :0877-2287809,
ई-मैल- registrar_rsvp@yahoo.co.in ;
वेब साईट : www.rsvidyapeetha.ac.in

प्राक्कथन

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के समाप्त होने से पूर्व राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के वार्षिक प्रतिवेदन, पाठ्य सहगामी कार्यक्रम और प्रतिवेदन समर्पण किया जा रहा है। शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध गतिविधियाँ और पाठ्येतर घटनाएँ सूचनाएँ ऐसे कई कार्यक्रम 2015-16 में किए गए काम और बहु - विमीय बुद्धिगत प्रयोग शैक्षणिक और प्राशासनिक दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता और अनुसंधान मूलभूत कार्यक्रम हैं। छात्रों की भर्ती इस शैक्षणिक वर्ष में भी पूर्व जैसा लगभग स्थिर है। प्रतिवेदनानुसार विद्यापीठ शैक्षिक अखंडता, मौलिक अनुसंधान कार्यक्रम और आधारिक संरचना के कारण वर्ष के दौरान छात्र संख्या में वृद्धि हुई । धीरे धीरे विद्यापीठ संस्कृत अध्ययन और अनुसंधानों से अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए उन्मख हो रही है । विश्वविद्यालय के इस शैक्षणिक वर्ष के अंतर्गत वार्षिक कार्य योजना अत्यंत सतर्क और साथ-ही-साथ भर्ती नियमित आयोजन और नवाचारी के साथ-साथ अंशकालिक पाठ्यक्रम, शोध कार्यक्रम, सेतु पाठ्यक्रम विचार-विनिमय विकास कार्यक्रम, खेल और कूद, परीक्षाओं का आयोजन, परिणामों का प्रकट करना और अखिल भारत संस्कृत छात्र प्रतिभा उत्सव आदि सभी कार्यक्रमों का आयोजन समस्त प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य के सहयोग से अत्यंत शांतिपूर्वक रूप से होता आया है। विद्यापीठ के छात्रों ने देश के अलग-अलग राज्यों द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर कई पुरस्कार को जीत कर संस्था का नाम रोशन किया है। प्राध्यापकों ने भी देश - विदेशों मेंह्न आयोजित कई संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में भाग लेकर अपना आलेख प्रस्तुत किए हैं । भारतीय संस्कृति का परिचय होगा। उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत निम्न सभी योजनाओं का अनुपालन किया गया है -1. शास्त्रवारिधि (चुने गए प्रमुख पारंपरिक शास्त्रों के पाठ्य को इस पाठ्यक्रम में अध्ययन किया जाता है।) 2. प्रकाशन 3. आडियो और विडियो प्रलेखीकरण 4. आडियो - विडियो रेकार्डिंग केंद्र की गतिविधियाँ,5. लिपि विकास प्रदर्शिनी 6. प्राचीन पांडुलिपि अध्ययन के विद्युतीकरण साधन 7. संस्कृत स्व - अध्याय कीट्स 8. प्रलेखीकरण अर्टिफ्याक्ट्स 9. गणकीकृत पांडुलिपियाँ 10. योग. दबाव प्रबंधन और हेलिंग केंद्र11. संगोष्ठियों कार्यशालाएँ 12. कंप्यूटर विज्ञान सेतु पाठ्यक्रम और संस्कृत भाषा तकनीकी और अन्य योजना का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 11 वी योजना में प्राप्त हुआ है क्योंकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उदारतापूर्वक सहयोग को आगे बढाया है । ई.पी.जी पाठशाला परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विद्यापीठ को व्याकरण शास्त्र में ई पाठशाला का कार्य ले लिया है जो दिए गए समय के पहले संपन्न होगा ।

साहित्य विभाग और शिक्षा एवं दर्शन विभागों के लिए प्राप्त विशेष सहायता कार्यक्रम (साप) को सफलतापूर्वक निभाया जा रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने आठ प्रमुख शोध परियोजना और दो निम्न शोध परियोजना तथा कई परिचयात्मक प्राच्य व्यक्तित्व सुधार और नवाचीरी पाठ्यक्रम आदि को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अनुपालन कर इस शोध दिशा में ज्यादा-से-ज्यादा बढावा देने में मदत किया है। इसलिए इस शैक्षणिक वर्ष में यह प्रतिवेदन और भी संतोषजनक नजर आता है। एक और हर्षदायक बात तो यह है कि गत वर्ष में कई छात्रों ने नेट और जे.आर्. एफ. पास होकर अन्यों के लिए इस दिशा में निर्देश किया है। वर्ष के दौरान

प्रतिवेदन के तहत एक शोध छात्रा को वि.अ.ए. ने पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप से सम्मानित किया । विद्यापीठ से गए छात्रों ने देश - विदेश में बडे - बडे ओहदों पर जाकर इस संस्था का नाम रोशन किया है। मन को शांत रखने के लिए शारीरिक तंदूरुस्ती, खुशदिमाग और चेतनयुक्त शरीर के लिए निरंतर व्यायाम की जरूरत पडती है, हमारे छात्र शारीरिक शिक्षा के साथ-ही-साथ योग कार्यक्रमों में भाग लेकर सेहत से तंदुरुस्त हो रहे हैं। संपूर्ण वातावरण सुंदर है, परिसर में जेनरेटर है । हर प्रकार से सभी का सहयोग रहने से प्रशासन अपना लक्ष्य पारंपारिक संस्कृत अध्यापन और समयानुसार संस्कृतिक मूल्यों को देश भर में प्रसारित करने में कामयाब हो सकता है।

यह संस्था आधारभूत संरचना में समयावधि में अनुभवात्मक दृश्यमान प्रगति एवं विकास किया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने योजनेतर अनुदान के साथ-ही-साथ योजना अनुदान के अंतर्गत वित्तीय सहायता मंजूर किया है। वार्षिक लेखा और लेखा प्रतिवेदन सी.ए.जी, भारत सरकार द्वारा पारित हुआ है तथा वार्षिक आय तथा व्यय के स्टेटमेंट को विद्यापीठ ने समर्पित भी किया हैं ।

पुनः एक बार, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जो विद्यापीठ की उन्नति हेतु निरंतर अपना योगदान देते आ रहे हैं और उपलब्धि के लिए प्रयास कर रहे हैं ।

(प्रो. एम.एल.नरसिंहमूर्ती)
कुलपति (प्रभारी)

अनुक्रमणिका

वार्षिक प्रितवेदन 2015-16

विषय	पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन	3-4
शैक्षिक सत्र 2015-16 की मुख्य विशेषताएँ	6
प्रतिवेदन एक नजर 2015-16	7-13
प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	14
विद्वत् परिषद के सदस्य (शैक्षिक सदस्य)	15
वित्त समिति के सदस्य (वित्त सदस्य)	16
विद्यापीठ के अधिकारी	17
विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता	17
विद्यापीठ के विभाग	18
प्राध्यापक वर्ग सूची	19-21
प्रस्तावना	22-35
I. शैक्षिक - कार्यक्रम	23
अ.शैक्षिक	23-29
आ.अनुसंधान	29-31
इ. प्रकाशन	31
ई. प्रशिक्षण	32-33
उ. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला	34-35
II. पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ	36-40
III. पाठ्येतर गतिविधियाँ	41-53
IV. विशेष कार्यक्रम	54-60
V. परियोजनाएँ	61-65
VI. आधारिक संरचना	66-70
VII. प्रशासन	70

❖❖❖

शैक्षिक सत्र 2015-16 की मुख्य विशेषताएँ

- वर्ष के दौरान प्रतिवेदन के तहत 3195 नई पुस्तकों को पुस्तकालय ने हासिल किया और 200 पांडुलिपियाँ डिजिटलैज किया गया ।
- दिनांक 28-31 जनवरी 2015 को दसवीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव-2016 को आयोजित किया गया था । इसमें 21 विश्वविद्यालय तथा कालेजों ने भाग लिया था ।
- विद्यापीठ ने सामुदायिक विकास कार्यक्रमों कों अपने एन एस एस के पाँच इकाइयों द्वारा मार्च 17 से 23 तक, तथा 14 से 20 तारीख तक पाँच शिबिरों के माध्यम से आयोजित किया था ।
- उत्कृष्टता केंद्र के कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं।
- आचार्य के नए छात्रों के लिए सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछडे और अल्पसंख्यक संबंधित छात्रों के लिए कैरियर कौउन्सलिंग सेल, नेट, प्रशिक्षण केंद्र और उपचारात्मक प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से हर एक शैक्षिक वर्ष में शिक्षण दिया जा रहा है ।
- दिनांक 14.04.2015 भारत रत्न डॉ.बी.आर.अम्बेडकरजी को श्रद्धाञ्चलि समर्पित किया गया था ।
- अनुसंधान परियोजनाएँ और एक सामान्य अनुसंधान परियोजना मंजूर की गई और परियोजनाएँ प्रगति पर है ।
- दिनांक 26 अगस्त से सितंबर 2015 तक संस्कृत सप्ताह समारोह आयोजित किया गया ।
- 02.10.2015 को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया गया ।
- स्वच्छ भारत कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया था ।
- 30.03.2016 को मातृभाषा दिवस मनाया गया ।
- नेक की मान्यता दिसंबर 2015 को 3.71 की सीजीपीए के साथ नेक द्वारा दुबारा "ए" ग्रेड की मान्यता प्राप्त किया गया ।

प्रतिवेदन पर एक नजर - 2015-16

1.	संस्था का नाम एवं पता	:	राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)
2.	स्थापना वर्ष	:	1961
3.	मानित विश्वविद्यालय स्तर का मान्यता वर्ष	:	1987
4.	कुलाधिपति का नाम	:	**डॉ. जानकी वल्लभ पट्नायक** (20.04.2015 तक) **डॉ.नी.गोपालस्वामी** (21.10.2015 से)
5.	कुलपति का नाम	:	**प्रो. हरेकृष्ण शतपथी**
6.	कुलसचिव का नाम	:	प्रो. सी. उमाशंकर
7.	विद्यापीठ के प्राधीकारी	:	
	7.1 बोर्ड ऑफ मेनेजमेंट के सदस्य	:	सूची संलग्न है
	7.2 विद्वत् परिषद के सदस्य	:	सूची संलग्न है
	7.3 वित्त समिति के सदस्य	:	सूची संलग्न है
8.	संस्थान का परिसर	:	41.48 एकड
9.	कुल छात्रों की संख्या	:	**2059**
10.	कुल अध्यापक कर्मचारियों की संख्या	:	81
11.	कुल अध्यापकेतर कर्मचारियों की संख्या	:	79
12.	आधारिक संरचना	:	

12.1 **छात्रावास :** विद्यापीठ के परिसर में सात (सप्ताचल) छात्रावासों का निर्माण किया गया है । (1) शेषाचल (2) वेदाचल (3) गरुडाचल (4) पद्माचल (5) विद्याचल (6) नीलाचल और (7) सिंहाचल (8) वकुलाचल को विद्यापीठ में अध्ययन करनेवाले छात्र एवं छात्राओं के निवास एवं भोजन हेतु आवश्यकतानुसार बनाए गए हैं । एक और छात्रवास सिंहाचल नाम से निर्माण किया गया है । वह संपूर्ण रूप से शोध छात्रों संबंधी है।

12.2 **शैक्षिक भवन :** शैक्षिक भवन का निर्माण सभी प्राध्यापक एवं छात्रों के अध्ययन हेतु कक्षाएँ बनाई गई हैं। बनाया हुआ परिसर 5365.78 वर्ग मीटर है । प्रस्तुत शैक्षिक भवन के पास ही दूसरा शैक्षिक भवन का निर्माण किया ।

12.3 **प्रशासनिक भवन :** इस भवन में कई कार्यालय हैं - कुलपति, कुलसचिव, वित्ताधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, स्थापना कार्यालय और प्रशासनिक इकाइयाँ, वित्त और लेखा-परीक्षा इकाइ आदि । इस भवन का परिसर 1479.00 वर्ग मीटर है ।

12.4 **इंडोर स्टेडिएम :** इस इंडोर स्टेडिएम का निर्माण छात्र एवं कर्मचारियों के खेल-कूद हेतु अवश्यकतानुसार निर्माण किया गया है । इसमें बहुविध व्यायाम शाला के 16 कार्य केंद्र है । बनाया हुआ परिसर 850.00 वर्ग मीटर है ।

12.5 **खेल मैदान :** इस खेल मैदान को विश्वविद्यालय में सभी खेल - कूद हेतु बनाया गया है । इसका परिसर 5.00 एकड है । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रु. 65.00 लाख खेल मैदान की आधारिक संरचना हेतु मंजूर किया है ।

12.6 **शिक्षा भवन :** इसको प्राध्यापक एवं छात्रों के अध्ययन हेतु कक्षाएँ अवश्यकतानुसार निर्माण किया गया है । इस शिक्षा विभाग में मनः शास्त्र प्रयोग शाला और बहु-विध भाषा प्रयोगालय है। इसको 2005.50 वर्ग मीटर परिसर में निर्माण किया गया है ।

12.7 **अगाऊ कंप्यूटर केंद्र :** इस में छात्रों के अवश्यकतानुसार करीब 100 कंप्यूटर ई-प्रशिक्षण हेतु बनाए गए हैं । फिलहाल वि.अ.ए. के वित्तीय सहायता से उच्छ - स्थानीय कंप्यूटर केंद्र बनाया गया है।

12.8 **संस्कृत - नेट केंद्र :** इसमें उत्कृष्ठता केंद्र कार्यक्रम के निदेशक को कार्यालय, रामायण और महाभारत परियोजनाएँ चलाई जाती हैं । इस के अलावा, इस में आडियो - विडियो रिकार्डिंग हेतु ई-स्टूडियो विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बनाई गई है ।

12.9 **संक्रमण निवास /अतिथि गृह :** अतिथि गृह में बारह कमरे हैं उसमें एक विशेष अतिथि के लिए उपयुक्त एवं एक शयनशाला है । इसके निर्माण का परिसर 433.00 वर्ग मीटर है । अतिथि गृह/संक्रमण निवास में मौजूदा मंजिल पर और एक मंजिल पुननिर्मित किया गया। इस वर्ष में अतिथिगृह में एक लिफ्ट को भी व्यवस्थित किया गया ।

12.10 **ग्रंथालय :** ग्रंथालय भवन में महत्वपूर्ण किताबों का संग्रह है । पत्रिकाएँ एवं पांडुलिपियाँ इसमें 98.568 किताबें और 3,897 पांडुलिपियाँ संग्रहित हैं । इसके ग्राहकों में 150 भारतीय पत्रिकाएँ एवं 10 विलायती पत्रिकाएँ हर साल आते हैं । वि.अ.ए. के सहायता से इस ग्रंथालय को इन्फ्लीबनेट कार्यक्रम के अधीन पूरे स्वचालित बनाया गया है । इसके निर्माण का परिसर 150.21.18 वर्ग मीटर है ।

12.11 **कर्मचारी मकान :** विद्यापीठ ने दो टाइप - V मकान, एक टाइप - IV मकान, एक टाइप - III मकान, एक टाइप - II मकान और दो टाइप - I मकान 22 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को निवास हेतु बनाया गया है ।

12.12 **महिला सुविधाएँ केंद्र :** महिला छात्र एवं कर्मचारियों के सहायता के उन्नयन केलिए आयोजित केंद्र है ।

12.13 **आंध्र बैंक भवन :** बैंक कर्मचारियों तथा छात्रों की और जनता की रकम की लेन देन की आवश्यताओं की पूर्ति कर रही है ।

12.14 **डाक - घर :** विभागीय डाकॉघर विद्यापीठ के छात्र, कर्मचारी और जनता का भी सेवा कर रही है।

12.15 **विश्वविद्यालय कैंटिन भवन :** कैंटिन आई.आर.टी.सी. द्वारा संचालित है जो कर्मचारी, छात्र और जनता की जरूरतों की पूर्ति करती है ।

12.16 **ए.टी.एम. सुविधा :** आंध्र बैंक, विद्यापीठ के शाखा ए.टी.एम. की विस्तार सेवा परिसर में महिला छात्रायाँ/ कर्मचारियों की सेवार्थ संचलित है ।

12.17 **योग मंदिर भवन :** योग और ध्यान कक्षाएँ छात्रों की, कर्मचारियों तथा जनता की भी जरूरतों की पूर्ति के लिए है ।

13. **शैक्षिक कार्यक्रम :**

13.1 **औपचारिक कार्यक्रम :** प्राक - शास्त्री ; शास्त्री (बी.ए.) ; बी.ए. ; बी.एससी. आचार्य (एम.ए.), एम्.ए.(हिंदी) ; कंप्यूटर विज्ञान एवं भाषा तकनीकी में एम.एससी.

13.2 **अनुसंधान कार्यक्रम :** एम.फिल (विशिष्टाचार्य), पी.एच.डी.(विद्यावारिधी), डी.लिट (विद्यावाचस्पति)

13.3 **डिप्लोमा और प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम :** डिप्लोमा में मंदिर संस्कृति ; पौरोहित्य ; वेब तकनीकी ; योग विज्ञान ; प्राकृतिक भाषा प्रक्रमण ; संस्कृत एवं कानून ; प्रबंधन प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम : मंदिर संस्कृति ; पौरोहित्य ; प्रयोजन मूलक अंग्रेजी और ज्योतिष ।

13.4 **दूरस्थ शिक्षा :** प्राक - शास्त्री ; शास्त्री (बी.ए.) ; आचार्य (एम.ए.) ; संस्कृत में प्रमाण - पत्र; संस्कृत में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर योग विज्ञान ।

13.5 **नवाचारी पाठ्यक्रम :** वि.अ.ए. के मदद से विद्यापीठ में निम्न पाठ्यक्रमों का नवाचारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है : शाब्दबोध में एम.ए. ; एम्.ए.आई.टि(प्राचीनी भारत प्रबन्धन तकनिकों में मास्टर (दो वर्ष))।

13.6 **सेतु पाठ्यक्रम :** स्नातकोत्तर में प्रवेश लेनेवालों को विद्यापीठ में छात्रों के ज्ञान विकास हेतु सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया जाता है ।

14. **परियोजनाएँ-**

14.1 **पारंपरिक शास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र :** वि.अ.ए. ने विद्यापीठ में पारंपरिक शास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी है और XI वी योजना के अंतर्गत 3.00 करोड रुपये की मंजूरी भी की है । सी.ओ.ई. के अंतर्गत निम्न कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है -

1. शास्त्र वारिधि (प्रमुख पारंपरिक शास्त्र के विषय पर अध्ययन)
2. प्रकाशन
3. संस्कृत स्वंय अध्यय कीट्स
4. लिपि विकास प्रदर्शिनी
5. संस्कृत - नेट गतिविधि का विस्तार
6. सामान्य भाषा मास्टर का प्रक्रमण
7. शास्त्रीक - डिस्कोर्सेस का आडियो-विडियो प्रलेखिकरण
8. आडियो-विडियो रिकार्डिंग केंद्र

9. पांडुलिपियों का डिजिटिलैजेशन
10. प्राचीन लिपियों के अध्ययन उपकरण
11. रीचुल्स में अर्टफ्याक्ट्स उपयोग प्रलेखीकरण
12. योग, दबाव प्रबंध एवं नीरोग केंद्र

दिनांक 8-9 जुलाई, 2015 को मध्य सत्र समिती विद्यापीठ का दौरा करके यहाँ के उपलब्धियाँ और तर्कि की परीक्षण कर संतुष्ठ हुए ।

14.2 **उत्कलपीठ –** उडीसा सरकार द्वारा प्रयोजित उत्कलपीठ अध्ययन केंद्र सन 2001 में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में प्रारंभ किया गया है।

(1) श्री जगन्नाथ सुरक्षा वाहिनी, पुरी, हॉऊस खास, जगन्नाथ मंदिर, नईदिल्ली के सहयोग से उत्सल पीठ ने दिनांक 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

(2) श्री जगन्नाथ संस्कृति पर पूरे संस्कृत कार्य का दूसरा वाल्युम उत्कलपीठ की ओर से प्रकाशन के लिए तैयार है।

(3) आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा ''सदाविशायक संग्रह'' उत्कलपीठ प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया है ।

(4) भगवान जगन्नाथ पर विशेष ग्रंथ विशेष संस्करण तैयार है ।

(5) भगवान जगन्नाथ अनुसंधान कार्य का एक ग्रंथ सूची तैयार है ।

(6) उत्कल पीठ द्वारा जयदेव साहित्य का एक विशेष संस्करण प्रकाशन के लिए तैयारी है ।

14.3 **सॉप (विशेष सहायता कार्यक्रम) :** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - साप के मदद से तीन विभागों को अनुदान प्राप्त हुआ है - साहित्य विभाग और शिक्षा विभाग में चलाए जा रहे हैं ।

1. **साहित्य विभाग :** 1.4.2013 से 31.3.2014 तक के वि.अ.ए. के वित्तीय सहायता के अधीन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस.I स्तर को साहित्य विभाग में पाँच साल के लिए अनुदान दिया गया है । इसके लिए रुपये 31.00 लाख तथा दो अनुसन्धान अध्येयताओं की मंजूरी दी है । इस कार्यक्रम का विषय है - **''भारत में संस्कृत काव्यशास्त्र''।** प्रो. सी. ललिताराणी समन्वयक और डॉ. के. राजगोपालन सह समन्वयक हैं ।

2. **शिक्षा विभाग :** सन 2015-2020 से वि.अ.ए. के अधिन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस. I स्तर को शिक्षा विभाग को पाँच साल के लिए दिया गया है । इसके लिए रुपये 97.50 लाख की वित्तीय सहायता की मंजूरी दी है । इस कार्यक्रम का विषय है - **''भाषा विकास एवं सामग्री उत्पादन''** । प्रो. वि.मुरलीधरशर्मा समन्वयक और प्रो.प्रह्लाद आर.जोशी सह समन्वयक हैं ।

3. **दर्शन विभाग :** सन् 2011-12 से वि.अ.ए. के अधीन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस.I स्तर दर्शना विभाग को पाँच साल के लिए दिया गया है। इसके लिए रुपये 14.72 लाख की वित्तीय सहायता तथा दो अनुसंधान अध्येयताओं की मंजूरी दी है। इस कार्यक्रम का विषय है - नव्य न्याया (गंगेशोपाध्याय द्वारा तत्त्वचिंतामणि की टीकाएँ एवं उपटीकाएँ की महत्वपूर्ण सर्वेक्षण)

14.4 **योगी नारेयणी परियोजना :** राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने योगी नारेयणी दर्शन परियोजना दार्शनिक कार्यों को संस्कृत, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में अनुवाद गोकुल एजुकेशनल फाउंडेशन, कैवारं, कर्नाटक के समझौता के साथ परियोजना को शुरू किया है। प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु समन्वयक है । कार्य प्रगति के लिए परियोजना अध्येता की नियुक्ति के लिए आवश्यक कदम लिया गया । दिनांक 16.12.2015 को (तिमाही) की परियोजना को शुरु करने के लिए किया गया है और प्राप्त रु. 4.68 लाख ।

14.5 **ई-पी.जी. पाठशाला :** स्नातकोत्तर विषयों संस्कृत (व्याकरण में आचार्य) (ई-पी.जी. पाठशाला) के लिए ई सामग्री विकास के उत्पादन के बारे में एल.आर.एफ.1-9/2013 पत्र संख्या के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मंजूर किया गया था । रु. 11.2 लाख की 16 कागजातों प्रयोजन के लिए आवंटित किया गया था । प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति, प्रोफेसर, व्याकरण विभाग को प्रधान अन्वेषक के रूप में नियुक्त किया गया था ।

15. पाठ्येतर गतिविधियाँ / पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ :

15.1 **दसवीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा उत्सव :** राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी तथा कुलसचिव प्रो.सी. उमाशंकर, के देख रेख में दिनांक 28 दिसंबर, 2015 से 01 जनवरी, 2016 तक दसवीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव का आयोजन किया था । भारत भर से 200 छात्र तथा 20 टीम समारोह में भाग लेने के लिए आए थे । इस अवसर पर प्रो.हेच.के.सुरेश आचार्य, प्रिंसिपाल, श्रीमान मध्वसिद्धान्त प्रभोधक नाटक-स्नातकोत्तर स्टडी केंद्र, उडुपी उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे । समापन समारोह के मुख्य अतिथि डा.नी.गोपालस्वामी, ऐ.ए.एस, कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति थे । इस बार रोलिंग शील्ड राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीवगाँधी परिसर, शृंगेरी के छात्रों ने जीता ।

15.2 **वार्षिक खेल - कूद :** अलग-अलग विधाओं के इंडोर खेलों का आयोजन विद्यापीठ के कई छात्र एवं कर्मचारियों के लिए किया गया था ।

15.3 **राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ :** विद्यापीठ रा.से.यो.कार्यक्रमों के आयोजन करने का मूल उद्देश्य छात्रों में स्वतन्त्र कार्यकुशलता संबंध में शक्ति भरना है।

रा से यो के सदस्य तिरुपति के उपशहरी प्रांतों में घूमकर रक्तदान, रक्त संचारण, हृदरोग, एच.आई वी के बारे में महत्वपूर्ण विचारों से अवगत करवाया। और स्वच्छभारत कार्यक्रम में भाग लिया ।

15.4 संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएँ :

अ. राष्ट्रीय संगोष्ठी ज्योतिष्य में : ज्योतिष्य विभाग के द्वारा 11.03.2016 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य "आज के आधुनिक समाज में ज्योतिष्य की प्रासंगिकता"

आ. द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी : 29-30 मार्च 2016 को अद्वैतवेदांत में श्री अप्पय्य दीक्षितेन्द्र का योगदान पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

इ. एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला : भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, बेंगलौर के सहयोग से आर.एस.विद्यापीठ के धर्मशास्त्र विभाग ने मिथाक्षर और भारती दंडसंहिता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया था ।

ई. एक विशेष व्याख्यान : दिनांक 31 जनवरी 2016 दोपहर के 12.00 बजे भारतीय आयुर्वेद संस्था तथा एकीकृत चिकित्सा, साहित्यिक अनुसंधान केंद्र, बंगलौर के अध्यक्ष प्रो.एम.ए.लक्ष्मी ताताचार्य द्वारा " पांडुलिपियों " तथा उसके अनुप्रयोग पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया ।

उ. मध्ययुगीन भक्तिसाहित्य: दार्शनिकता और प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : मध्ययुगीन भक्तिसाहित्य: दार्शनिकता और प्रासंगिकता विषय पर दिनांक 25 और 26 मार्च, 2016 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था ।

15.6 उत्सवों का आयोजन /त्योहार :

(i) **संस्कृत सप्ताह का आयोजन :** दिनांक 26 अगस्त से 1 सितंबर, 2015 तक विद्यापीठ में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया था।

(ii) **ओणम :** केरलावालों के नये वर्ष के उपलक्ष्य में पोंप और गैएटी का आचरण 7 सितंबर, 2015 विद्यापीठ में किया गया था ।

(iii) **पोंगल :** दिनांक 14 जनवरी, 2016 को उत्तरायण पवित्र काल और मकर संक्रांति धार्मिक त्योहार मनाया गया था।

लेखा - 2015-16

1.	योजनेतर अनुदान बजट प्राप्त	:	2281.90 लाख रुपये
	योजनेतर अनुदान बजट का व्यय	:	2294.54 लाख रुपये
2.	XII योजना अनुदान प्राप्त	:	-
	(अ) एस.सि.एस.टि.ओबीसी कोचिंग स्कीम	:	36 लाख रुपये
	(आ) स्पोर्ट इनफ्रास्ट्रक्षर	:	65 लाख रुपये
	व्यय	:	60 लाख रुपये
3.	आय के स्रोत	:	वि.अ.ए., ति.ति.दे. / एम एच और डी. और अन्य से निधियाँ प्राप्त
4.	मां.सं.वि.मं. अनुदान (आर. एस.के.एस / रा आई ओ टी	:	3.10 लाख रुपये

लेखा परीक्षा की स्थिति

वर्ष 2015-16 का सांविधानिक लेखापरीक्षा को प्रधान निदेशक लोखापरीक्षा (सेंट्रल), हैदराबाद आं.प्र. दिनांक 14.7.2016 से 03.8.2016 किया गया और प्रतिवेदन प्राप्त हुआ ।

* * *

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

प्रो. हरेकृष्ण शतपथी
कुलपति/अध्यक्ष

संयुक्त सचिव, (सी.यु. & एल.)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा
संकाय प्रमुख, साहित्य और संस्कृति
संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
तिरुपति (31.08.2015 तक)

प्रो. राधाकांत ठाकुर
शैक्षिक संकाय प्रमुख
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

प्रो. श्रीमति. एम.वी. रमणा,
संस्कृत विभाग,
आंध्र विश्वविद्यालय, वालटेअर,
विशाखपट्नम (02.11.2015 तक)

प्रो. सिनीरुद्ध दास,
संस्कृत विभाग,
मद्रास विश्वविद्यालय, चेपौक,
चेन्नै - 600 005 (02.11.2015 तक)

प्रो. राममूर्ति नाईडु,
सदस्य वि.अ.ए.
35, मौंटेन वियु, अपार्टमेंट
रोड.सं.2, बंजारा हिलस
हैदराबाद - 500 034
(02.11.2015 तक)

प्रो. ए.सि.शारंगी
केन्द्रीय सरकार,
मा.सं.वि.मं. द्वारा नामित
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. रजनीकांत शुक्ला
शिक्षा विभाग के संकाय प्रमुख
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

डॉ. उन्निकृष्णन नंपियातिरि
सह आचार्य, ज्योतिष विभाग,
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति
(12.06.2015 तक)

03.11.2015 से

प्रो. वि.कुटुम्बशास्त्री
पूर्व कुलपति
आर.एस.संस्थान, नई दिल्ली,
सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय,
वीरवल, नई दिल्ली ।

प्रो. के.वि.रामकृष्णमाचार्युलु
४-४५, सत्यसाई मंदिर के सामने
केशवायन गुण्टा,
तिरुपति.

प्रो. आर. देवनाथन
पूर्व कुलपति, जे आर आर संस्कृत
विश्वविद्यालय, जम्मू केंपस,
आर.एस.संस्थान

श्री चम्मू कृष्ण शास्त्री
वरिष्ठ सलाहकार, भाषाएँ
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. लक्ष्मीनिवास पांडे
प्राचार्य, आर.एस.संस्थान
गर्ली परिसर, आर.एस.संस्थान

11.04.2015 से

प्रो. के.ई.देवनाथन्
कुलपति, एस.वि.वेद
विश्वविद्यालय, तिरुपति.

01.02.2016 से

प्रो. जे.रामकृष्ण
वेदवेदाङ्ग विभाग के संकाय प्रमुख
आचार्य, व्याकरण विभाग
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

डा. सि.राघवन्
सह आचार्य, विशिष्टाद्वैतवेदान्त
विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ,
तिरुपति

प्रो. सी. उमाशंकर
कुलसचिव / सचिव
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

विद्वत परिषद के सदस्य

प्रो. हरेकृष्ण शतपथी - कुलपति/अध्यक्ष

1. प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, आर.एस.वि.,तिरुपति - अध्यक्ष
2. प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, संकाय प्रमुख, साहित्य एवं संस्कृति संकाय, आर.एस.वि.,तिरुपति.
3. प्रो. आर.एल.एन्.शास्त्री,वेदवेदांग संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
4. प्रो. ओ.श्रीरामलाल शर्मा, दर्शन संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
5. प्रो.रजनी कान्त शुक्ला, संकाय प्रमुख, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति.
6. प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
7. प्रो.विरूपाक्ष वि. जड्डिपाल, शैक्षिक समन्वयक, आर.एस.वि.,तिरुपति
8. प्रो.एम.एल.नरसिंह मूर्ति, विभागाध्यक्ष, अद्वैत वेदान्त विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
9. प्रो.जे.रामकृष्ण, विभागाध्यक्ष, व्याकरण विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
10. प्रो.सि.ललिताराणी, विभागाध्यक्ष, साहित्य विग, आर.एस.वि.,तिरुपति
11. प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण, विभागाध्यक्ष, अनुसंधान तथा प्रकाशन विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
12. प्रो.आर.जे.रमाश्री , विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
13. प्रो.ए.श्रीपादभट्ट, विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग,आर.एस.वि.,तिरुपति
14. प्रो. प्रह्लाद आर जोशी, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
15. प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित, विभागाध्यक्ष, द्वैतवेदान्तविभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
16. प्रो. वी.एस. विष्णुभट्टाचार्युलु, विभागाध्यक्ष, आगम विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
17. प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपत्कुमाराचार्युलु, विभागाध्यक्ष, न्याय विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
18. प्रो.के.सूर्यनारायण, अनुसंधान तथा प्रकाशन विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
19. प्रो. आर. दीप्ता, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
20. प्रो. एस.सत्यनारायण मूर्ति, व्याकरण विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति.
21. प्रो.वी.पुरन्दर रेड्डी, अद्वैतवेदान्त विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
22. प्रो.टी.वी.राघवाचार्युलु, आगम विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
23. प्रो. एम.एस.आर. सुब्रह्मण्य शर्मा, अद्वैत वेदांत विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
24. प्रो. सी.ललिता राणी, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
25. प्रो. एन. लता, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
26. प्रो. वी.सुजाता, आंग्ल विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
27. प्रो.सत्यनारायण आचार्य, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
28. प्रो. उन्निकृष्णन नंपियातिरी, ज्योतिष विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
29. प्रो. राणी सदाशिव मूर्ति, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
30. प्रो. के.सी. पाढी, अध्यक्ष, पी.जी. काउन्सिल, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, 752 003 ओड़िशा
31. प्रो. आर.सी. पंडा, व्याकरण विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वारणासी, 221 005
32. प्रो. ए.पी. सच्चिदानंद, प्राचार्य, राजीवगाँधी परिसर, शृंगेरी
33. कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
34. कुलपति, श्री लाल बहदूर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कुतुब संस्थाक्षेत्र, नई दिल्ली
35. कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्व विद्यालय, श्री विहार, पुरी
36. डॉ. सी. राघवन, विभागाध्यक्ष, विशिष्टाद्वैत वेदांतविभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
37. डॉ. सी. रंगनाथन, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
38. श्री.पी.नागमुनि रेड्डी, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
39. डॉ. राधा गेविंद त्रिपाठी, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
40. डॉ. एस. दक्षिणा मूर्ति शर्मा, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति

प्रो. सी. उमा शंकर - कुलसचिव / सचिव

वित्त समिति के सदस्य

प्रो. हरेकृष्ण शतपथी कुलपती	अध्यक्ष
संयुक्त सचिव केन्द्रीय और मानितविश्वविद्यालयाएँ मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
संयुक्त सचिव, आई.एफ.डी. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
प्रो.के.राममूर्ति नाईडु 35, मौंटेन अपार्टमेंट रोड सं.2, बंजारा हिल्स हैदराबाद- 34	सदस्य (21.01.2016 तक)
प्रो. टी.वी.सुब्बा राव भूतपूर्व रैक्टर, श्री.प.म.वि. प्रोफेसर, राष्ट्रीय कानून स्कूल ऑफ भारत विश्वविद्यालय बेंगलूरु	सदस्य (21.01.2016 तक)
प्रो. के.वि.रामकृष्णमाचार्युलु ४-४५, सत्यसाई मंदिर सामने साई नगर, केशवायन गुण्टा, तिरुपति	सदस्य (22.01.2016 से)
श्री जि.फणिकुमार, ऐ.ए.एस् (रिटैर्ड) जि-५, शांग्रिला अपार्टमेंट्स् बिहैंड लुम्बिनि माल/ब्रांड फैक्टरी हैदराबाद - ५०० ०३४ (तेलांगाना)	सदस्य (22.01.2016 से)
वित्ताधिकारी	सचिव

विद्यापीठ के अधिकारी

1. **प्रो.हरेकृष्ण शतपथी**	कुलपति
2. **प्रो. सी. उमा शंकर**	कुलसचिव
3. **प्रो. सी. उमा शंकर**	परीक्षा नियंत्रक प्रभारी
4. **श्री.वी.जी.शिवशंकर रेड्डी**	उप कुलसचिव और वित्ताधिकारी प्रभारी
5. **डा.एस. दक्षिणामूर्ति शर्मा**	जन-संपर्क अधिकारी
6. **श्री.सी.वेंकटेश्वर्लु**	सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा)
7. **श्री.टी.गोविंदराजन**	सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
8. **श्रीमती एम. उषा**	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
9. **श्री.सी.ईश्वरय्या**	सहायक परीक्षा नियंत्रक/वि.का.

विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता

शैक्षणिक कार्य	:	**प्रो. आर्.के.ठाकुर**
साहित्य और संस्कृति संकाय	:	**प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा**
वेद वेदांग संकाय	:	**प्रो. जे. रामकृष्ण**
दर्शन संकाय	:	**प्रो. वी.पुरन्दर रेड्डी**
शिक्षा संकाय	:	**प्रो. रजनीकांत शुक्ला**

विद्यापीठ के विभाग

❖ **शिक्षा शास्त्र संकाय:**

1. शिक्षा विभाग
2. शारीरिक शिक्षा विभाग

❖ **साहित्य एवं संस्कृति संकाय**

1. साहित्य विभाग
2. पुराणेतिहास विभाग
3. अंग्रेजी विभाग
4. तेलुगु विभाग
5. हिंदी विभाग

❖ **अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग**

❖ **दर्शन संकाय**

1. न्याय विभाग
2. अद्वैत वेदांत विभाग
3. विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग
4. द्वैत वेदांत विभाग
5. आगम विभाग
6. मीमांसा विभाग
7. सांख्य योग और योगविज्ञान विभाग
8. शाब्दबोध सिस्टम्स और कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स

❖ **वेद वेदांग संकाय**

1. व्याकरण विभाग
2. ज्योतिष विभाग
3. धर्मशास्त्र विभाग
4. वेद भाष्य विभाग
5. कंप्यूटर विज्ञान विभाग
6. इतिहास विभाग
7. गणित विभाग

प्राध्यापक वर्ग सूची

शिक्षा शास्त्र संकाय

❖ शिक्षा विभाग

1. प्रो. वी.मुरलीधर शर्मा, आचार्य
2. प्रो. रजनीकांत शुक्ला, आचार्य और संकाय प्रमुख
3. प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी, आचार्य
4. प्रो. एन्. लता, आचार्य
5. डा. पी. वेंकट राव, सह आचार्य
6. श्री पी. नागमुनि रेड्डी, सहायक आचार्य (चयन वर्ग)
7. डा. के. कादम्बिनी, सहायक आचार्य (द्वितीय चरण से तृतीय चरण कि पदोन्नति हुई)
8. डा. राधागोविंद त्रिपाठी, सहायक आचार्य
9. डा. एस. दक्षिणा मूर्ति शर्मा, सहायक आचार्य (द्वितीय चरण से तृतीय चरण कि पदोन्नति हुई)
10. डा. एस. मुरलीधर राव, सहायक आचार्य (द्वितीय चरण से तृतीय चरण कि पदोन्नति हुई)
11. डा. आर. चंद्रशेखर, सहायक आचार्य (प्रथम चरण से द्वितीय चरण की पदोन्नति हुई)
12. डा. ए. सच्चिदानन्द मूर्ति, सहायक आचार्य
13. डा. ए. सुनीता, सहायक आचार्या

साहित्य एवं संस्कृति संकाय

❖ साहित्य विभाग

1. प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, आचार्य एवं संकाय प्रमुख
2. प्रो. जी. एस. आर.कृष्णमूर्ति, आचार्य
3. प्रो. सी. ललिता राणी, आचार्या
4. डा. सत्यनारायण आचार्य, आचार्य
5. डा. आर. सदाशिव मूर्ति, सह आचार्य
6. डा. सी. रंगनाथन, सह आचार्य
7. डा. के. राजगोपालन, सह आचार्य
8. डा. प्रदीपकुमार बाग, सहायक आचार्य
9. डा. भारत भूषण रथ, सहायक आचार्य
10. डा. जे.बी. चक्रवर्ति, सहायक आचार्य
11. के.लीनाचंद्र, सहायक आचार्य
12. डा. श्वेतपद्म शतपथी, सहायक आचार्य
13. डा. ज्ञान रंजन पण्डा, सहायक आचार्य

❖ **पुराणेतिहास विभाग**

1. डा. पारमिता पण्डा, सहायक आचार्या

❖ **अंग्रेजी विभाग**

1. प्रो. वी. सुजाता, आचार्या
2. डा. आर. दीप्ता, सह आचार्या

❖ **तेलुगु विभाग**

1.डा. नल्लन्ना, सहायक आचार्य
2. डा. विजयलक्ष्मी, सहायक आचार्या

❖ **हिंदी विभाग**

डा. टी.लता मंगेश, सहायक आचार्या

❖ **अनुसन्धान एवं प्रकाशन विभाग**

1. प्रो. सी.एच.पी. सत्यनारायण, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, निदेशक, दूरस्त शिक्षण
2. डा. विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल, सह आचार्य
3. डा. के. सूर्यनारायण, सह आचार्य
4. डा. सोमनाथ दास, सहायक आचार्य
5. डा. सी.नागराजु, सहायक आचार्य

दर्शन संकाय

❖ **न्याय विभाग**

1. प्रो. ओ.श्री रामलाल शर्मा,आचार्य
2. प्रो.पी.टी.जी. वाई. संपत्कुमाराचार्युलु,आचार्य

❖ **अद्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. एम.एल. नरसिंह मूर्ति,आचार्य और विभागाध्यक्ष
2. प्रो.वी. पुरंदर रेड्डी, आचार्य और संकाय प्रमुख
3. प्रो.एम.एस.आर.सुब्रह्मण्य शर्मा,आचार्य
4. डा.के. गणपति भट्ट, सह आचार्य
5. डा. के. विश्वनाथ, सहायक आचार्य

❖ **विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. के. ई. देवनाथन्, आचार्य
   (20.2.2014 का लीन लिया - एस.वी. वेदिक विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए ।)
2. डा. सी. राघवन्, सह आचार्य

❖ **द्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित,आचार्य
2. डा. नारायण,सहायक आचार्य

❖ **आगम विभाग**

1. प्रो.टी.वी. राघवाचार्युलु, आचार्य
2. प्रो. वी. एस. विष्णुभट्टाचार्युलु, आचार्य
3. डा. पि.टि.जि.रंग रामानुजाचार्युलु, सहायक आचार्य

❖ **मीमांसा विभाग**

डा. टी. एस.आर. नारायणन, सहायक आचार्य

❖ **सांख्य योग और योग विज्ञान विभाग**

डा. डी. ज्योति, सहायक आचार्या

वेद वेदांग संकाय

❖ **व्याकरण विभाग**

1. प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति, आचार्य
2. प्रो. आर.एल. नरसिंह शास्त्री, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
3. प्रो. जे. रामकृष्ण,आचार्य एवं संकाय प्रमुख
4. डॉ. एन.आर.रंगनाथन ताताचार्य, सहायक आचार्य
5. श्री यशस्वी, सहायक आचार्य
6. श्री सन्तोष माजी, सहायक आचार्य

❖ **ज्योतिष विभाग**

1. प्रो. राधाकान्त ठाकुर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2. प्रो. ए. श्रीपाद भट्ट, आचार्य
3. प्रो. वी. उन्निकृष्णन् नम्पियातिरी, आचार्य
4. डा. कृष्णेश्वर झा,सहायक आचार्य

❖ **धर्मशास्त्र विभाग**

1. डा. शितांशु भूषण पण्डा, सहायक आचार्य
2. डा. सुधांशु शेखर मोहापात्र, सहायक आचार्य

❖ **वेद भाष्यम विभाग**

डा. निरंजन मिश्र, सहायक आचार्य

❖ **कंप्यूटर विज्ञान विभाग**

1. प्रो. आर.जे. रमाश्री, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2. श्री. जी. श्रीधर, सहायक आचार्य (प्रथम चरण से द्वितीय चरण कि पदोन्नति हुई)

❖ **शाब्दबोध विभाग**

डा. ओ.जी.पी. कल्याण शास्त्री , सहायक आचार्य

❖ **इतिहास विभाग**

डा. एस. आर. शरण्य कुमार, सहायक आचार्य (द्वितीय चरण से तृतीय चरण कि पदोन्नति हुई)

❖ **गणित विभाग**

1. डा. वी. रमेश बाबु, सहायक आचार्य
2. डा. ए.चन्दुलाल, सहायक आचार्य

❖❖❖

प्रस्तावना

तिरुमल पर्वत के पादतल में स्थित यह राष्ट्रियसंस्कृत विद्यापीठ गत पाँच दशकों से संस्कृत के अध्ययन एवं अध्यापन की दृष्टि से छात्रों एवं विद्वानों का लक्ष्य हो गया है। यहाँ देश के विभिन्न भाग से विभिन्न धर्म जाति एवं भाषा के छात्र आते हैं जिससे यह विद्यापीठ एक छोटे भारत की तरह दिखता है। यहाँ अध्ययन एवं अनुसंधान केलिए उत्कृष्ट सुविधा एवं अत्यन्त अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। नए पाठ्यक्रम, भव्यभवन, कम्पूटर आदि आधुनिक उपसाधनों ने संस्कृत अध्ययन - अध्यापन के क्षेत्र में इस विद्यापीठ को उन्नत बना दिया है। तिरुपति शहर के मध्यभाग में स्थित विद्यापीठ परिसर विशाल तरू के छाया से, सुंदर बगीचे एवं मनोहर वन से अत्यंत आकर्षणीय लगता है।

स्थापना - भरत सरकार द्वारा गठित केन्द्रीय संस्कृत आयोग की 1950 वर्ष में अनुशंसा पर पारंपरिक संस्कृत की आधुनिक अनुसंधान शैली के साथ प्रचार-प्रसार हेतु शिक्षामंत्रालय द्वारा तिरुपति में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति सोसाइटी नाम से एक स्वयत्त संस्था पंजीकरण करवाया। विद्यापीठ का शिलान्यास 4 जनवरी, 1962 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने किया था। तिरुमल-तिरुपति-देवस्थान ट्रष्ट बोर्ड के तत्कालीन कार्यनिर्वहणाधिकारी डाँ.सी.अन्नाराव जी ने बयालीस एकड जमीन तथा भवन निर्माण हेतु 10 लाख रूपये दिये थे।

सुविख्यात विद्वान एवं राजनेता भारत के भूतपूर्वमुख्य न्यायाधीश पतंजली शास्त्री विद्यापीठ सोसाइटी के अध्यक्ष रह चुके। उसके बाद प्राच्यविद्या के प्रसिद्ध विद्वान पी. राघवन तथा लोकसभा के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री.एम. अनन्तशयनम अय्यंगार जी अध्यक्ष हुए। डाँ. बी. आर. शर्माजी ने 1962-1970 तक प्रथम निर्देशक के रूप में काम किया। श्री वेंकटराघवन, डॉ. मण्डन मिश् डॉ.आर.करुणाकरन, डॉ.एम.डी बाल सुब्रह्मण्यम एवं प्रो.एन.एस.रामानुज ताताचार्य ने क्रमशः प्राचार्य के रूप में अपने वैदुष्य एवं प्रशासनिक अनुभव से इस विद्यापीठ की सेवा की।

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को अप्रैल, 1971 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संरक्षण में शिक्षामंत्रालय की स्वायत्त संस्था का रूप दिया गया। रजत जयंती महोत्सव के दौरान वर्ष 1987 में **श्री.पी.वी.नरसिंहाराव** जी भारत सरकार के तत्कालीन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के यू.जीयसी अधिनियम 1956 के अनुभाग 3 (राजपत्र अध्यादेश नं.एफ.9/285 यू - 3. दिनाङ्क 16 -11-1987) के अनुसार विद्यापीठ को **मानित विश्वविद्यालय** घोषित किया। **मानित विश्वविद्यालय** का औपचारिक रूप से उद्घाटन दिनांक 26-8-1989 को तत्कालीन राष्ट्रपति **आर. वेंकटरामन्** के द्वारा किया गया। शैक्षणिक वर्ष1991 - 1992 से विद्यापीठ एक मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है । तब से इस संस्था में महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री और प्रो. रमारंजन मुखर्जी तथा डाँ.वी.आर.पंचमुखी जी जैसे प्रख्यात हस्तियों ने कुलाधिपतियों पद पर शुशोभित हुए । प्रो. एन.एस.रामानुजताताचार्य (1989-1994), प्रो. एस.बी.रघुनाथाचार्य (1994-1999) और प्रो.डी.प्रह्लादाचार्य (1994-2004) ने कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय कि सेवा की। प्रो.के.ई.गोविंदन, विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य ने प्रभारी कुलपति के रूप में दो साल (अप्रैल 2006) तक कार्य किए । महामहिम डा. जे.बी.पट्नायक, असम के राज्यपाल, जून 16, 2008 से 20.4.2015 तक विद्यापीठ के कुलाधिपति थे। दिनांक 21 अक्टूबर 2015, भारत सरकार के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त तथा पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित **श्रीमान् नी.गोपालस्वामी जी** को विद्यापीठ के कुलाधिपति के रूप में नियुक्त किया गया । प्रो. हरेकृष्ण शतपथी 19-4-2006 से विद्यापीठ के कुलपति हैं और दूसरे बार के लिए भी उन्हें कुलपति का कार्य भार को सोंपा गया ।

शिक्षण, अनुसंधान, प्रकाशन और संवर्धन तथा संस्कृत के प्रचार प्रसार के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के लिए प्रतिवेदन के तहत विद्यापीठ को विशिष्ठ सम्मान प्राप्त हुए हैं ।

- **युजीसी द्वारा पारंपरिक शास्त्रों के विषय में उत्कृष्ठता के लिए मान्यता प्राप्त ।**
- **3.71, 4 बिंदु पैमाने पर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 2015 को "ए" ग्रेड मान्यता प्राप्त ।**
- **मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त 'टांडन कमिटी' ने विद्यापीठ को मानित विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ माना ।**

I. शैक्षणिक - कार्यक्रम

अ. शैक्षिक

संस्कृत पढनेवाले छात्रों के लिए विद्यापीठ औपचारिक अध्यापन, व्यावसायिक एवं अनौपचारिक रुप से कई पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है। 2014-2015 के लिए निम्न पाठ्यक्रमों को चलाया जा रहा हैं -

I. औपचारिक शिक्षा :

1. स्नातक पाठ्यक्रम

1. प्राक् - शास्त्री (इंटरमीडियट के समकक्ष)
2. शास्त्री (बी.ए. समकक्ष)
3. शास्त्री वेदभाष्य (बी.ए.समकक्ष)
4. बी.ए.
5. बी.एस.सी.

2. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

1. आचार्य (एम्.ए.के समकक्ष) 14 शास्त्रों में
2. आचार्य संस्कृत में (शाब्दबोध प्रणाली तथा भाषा तकनीकी)
3. एम. एससी. कम्प्यूटर विज्ञान और भाषा तकनीकी

वि.अ.ए के नवाचारी कार्यक्रम

4. एम.ए.हिंदी
5. तुलनात्मक सौन्दर्य शास्त्र (साहित्य) में पी.जी.डिप्लोमा
6. एम.ए.आई.एम.टी

3.शोध कार्यक्रम

1. एम्.फिल्.(पांडुलिपि शास्त्र और पुरालिपि शास्त्र को मिलाकर 11 शास्त्रों में)
2. एम्.फिल (शिक्षा शास्त्र)
3. विद्यावारिधि -(पीएच्.डी.समानांतर) सभी शास्त्रों/साहित्य/शिक्षा शास्त्र
4. विद्यावाचस्पति (डि.लिट्.समानांतर) सभी शास्त्रों और शिक्षा में

4.वृत्तिक पाठ्यक्रम-

1. शिक्षा शास्त्री (बी. एड्. समानांतर)
2. शिक्षा आचार्य (एम्, एड्. समानांतर)

II सायंकालीन एवं अंशकालिक कार्यक्रम

1. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

1. योग विज्ञान
2. प्राकृति भाषा संसाधन
3. वेब तकनीकी

2. डिप्लोमा पाठ्यक्रम-

1. मंदिर संस्कृति
2. पौरोहित्य
3. संस्कृत एवं कानून डिप्लोमा
4. प्रबंधन और प्राच्य अभिविन्यास

3. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

1. मंदिर संस्कृति
2. पौरोहित्य
3. प्रयोजनमूलक अंग्रेजी
4. ज्योतिष
5. ई-अधिगम

4. विद्यापीठ के निम्न वृत्ति आभिविन्यास कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वित्तीय सहायता से चलाए जानेवाले पाठ्यक्रम

1. भारतीय भाषाओं में डी.टी.पी.
2. वेब तकनीकी शास्त्र
3. पुराणेतिहास
4. वास्तु शास्त्र
5. संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तकनीक और रचनात्मक लेखन

प्रवेश प्रक्रिया - विद्यापीठ के शैक्षणिक-सत्र जून-जुलाई से शुरु होता है और अप्रैल-मई में परिक्षाएँ समाप्त हो जाती हैं अर्ध वार्षिकीय परीक्षा केवल नियमित शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रम मे होती हैं। शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षा आचार्य में नही होती है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, बि.ए. पाठयक्रम में प्रवेश के लिए पूर्वपरीक्षा के प्राप्तांक एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार को आधार माना जाता है। आचार्य (एम्.ए.) पाठयक्रम, शिक्षाशास्त्री (बि.एड) शिक्षा आचार्य(एम.एड) और विद्यावारिधि में नामांकन हेतु विद्यालय स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर विद्यापीठ द्वारा प्रवेश परीक्षा ली जाती है। नेट-स्लेट-एम.फिल-पी.एच.डी उपाधिवालो को विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा से छुट दी गई है। वे नियमित या अंश कालिक के आधार पर अनुसंधान कर सकते हैं। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सूचनाएँ विश्वविद्यालय की वेबसाईट- http://www.rsvidyapeetha.ac.in पर उपलब्ध है ।

शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के स्नातकोत्तर स्तर तक के कार्यक्रम जून में ही शुरु हुए। शिक्षा शास्त्री (बी.एड) और शिक्षा आचार्य (एम.एड) और विद्यावारिधी (पी.एच.डी) के अतिरिक्त सभी पाठ्य क्रमों के लिए योग्यता परीक्षा और मौखिक के आधार पर प्रवेश दिये गये है। शिक्षा-शास्त्री (बि.एड.) शिक्षा आचार्य (एम.एड) और विद्यावारिधि (पि.एच.डी) के प्रवेश राष्ट्रीय स्थरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा क्रमशः CPSST-CPSAT औरCVVT की नामावली में आयोजित की गई नेट, स्लेट, एम.फिल, पी.एच.डी,धारकों को CVVT से छूट दी गयी है । शोधार्थी अपने शोध कार्य को नियमित या रेगुलर और निजी या प्राईवेट के रूप में आगे बढा सकते है। सभी शास्त्रों के पाठ्यक्रम को केवल संस्कृत के माध्यम से ही पढाया जाता है। और परीक्षा संस्कृत में भी आयोजित की जाती है। आधुनिक विषयों के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के लिए संबंधित भाषा शिक्षा का माध्यम और परीक्षा का माध्यम है।

परीक्षाएँ - स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियों के लिए अर्ध वार्षिकीय के अनुरूप परीक्षाएँ ली जाती है । प्राकशास्त्री (इंटर मीडियट) के लिए वार्षिक पैटर्न का पालन किया जाता है। अन्य नाँन सेमिस्टर डिप्लोमा उपधियाँ पी.जी.डिप्लोमा परीक्षाएँ मार्च और अप्रैल में रखी गयी है ।

छात्रों की भर्ती

क्रम.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु
1	प्राक्-शास्त्री प्रथम वर्ष	103	62	165	29	27	56	48	19	67	10	3	13	16	13	29	-	-	-	-	1	1
2	प्राक्-शास्त्री द्वितीय वर्ष	117	72	189	27	24	51	63	29	92	14	7	21	13	12	25	-	-	-	-	-	-
	कुल (1 & 2)	220	134	354	56	51	107	111	48	159	24	10	34	29	25	54	-	-	-	-	1	1
3	शास्त्री प्रथम वर्ष	103	62	165	36	30	66	46	13	59	11	4	15	10	15	25	-	-	-	-	-	-
4	शास्त्री द्वितीय वर्ष	106	55	161	39	18	57	59	20	79	-	7	7	8	10	18	-	-	-	1	-	1
5	शास्त्री तृतीय वर्ष	87	62	149	34	26	60	38	26	64	9	4	13	6	6	12	-	-	-	-	-	-
	कुल (3 - 5)	296	179	475	109	74	183	143	59	202	20	15	35	24	31	55	-	-	-	1	-	1
6	बी.एस.सी. प्रथम वर्ष	5	8	13	3	7	10	2	-	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	10	10	20	7	8	15	2	1	3	1	0	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-
8	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष	7	16	23	4	4	8	2	11	13	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (6 - 8)	22	34	56	14	19	33	6	12	18	2	2	4	-	-	-	-	1	1	-	-	-
9	बी.ए. प्रथम वर्ष	19	10	29	5	2	7	8	6	14	1	2	3	5	-	5	-	-	-	-	-	-
10	बी.ए. द्वितीय वर्ष (2014-15 से शुरू प्रशासन)	20	9	29	3	4	7	11	4	15	2	-	2	4	1	5	-	-	-	-	-	-
	कुल (9 - 10)	39	19	58	8	6	14	19	10	29	3	2	5	9	1	10	-	-	-	-	-	-
11	शास्त्री वेदभाष्यम प्रथम वर्ष	5	-	5	5	-	5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	शास्त्री वेदभाष्यम द्वितीय वर्ष	4	-	4	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	शास्त्री वेदभाष्यम तृतीय वर्ष	13	-	13	13	-	13	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (11 - 13)	22	-	22	22	-	22	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	शिक्षा शास्त्री (बि.एड.)	63	37	100	27	10	37	22	18	40	10	6	16	4	3	7	-	-	-	-	-	-
	स्नातक कुल (1-14) कुल पृष्ठ सं. 1	662	403	1065	236	160	396	301	147	448	59	35	94	66	60	126	-	1	1	1	1	2
	स्नातक कुल (3-14)	442	269	711	180	109	289	190	99	289	35	25	60	37	35	72	-	1	1	1	-	1

क्रम.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु
15	आचार्य प्रथम वर्ष	116	86	202	63	37	100	40	46	86	9	1	10	4	2	6	-	-	-	1	-	1
16	आचार्य द्वितीय वर्ष	130	103	233	56	42	98	60	54	114	11	5	16	3	2	5	-	-	-	-	1	1
	कुल (15 & 16)	246	189	435	119	79	198	100	100	200	20	6	26	7	4	11	-	-	-	1	1	2
17	एम.ए.(सं.) शाब्दबोध प्रथम वर्ष	-	1	1	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
18	एम.ए. (सं.) शाब्दबोध द्वितीय वर्ष	1	1	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (17 & 18)	1	2	3	1	2	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
19	एम.एससी प्रथम वर्ष	4	1	5	1	-	1	3	1	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष	4	3	7	2	2	4	2	-	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (19 & 20)	8	4	12	3	2	5	5	1	6		1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
21	एम.ए.ऐ.एम.टि. प्रथम वर्ष (2012-13 से प्रवेश प्रारंभ)	12	7	19	9	5	14	1	1	2	2	1	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
22	एम.ए.ऐ.एम.टि. द्वितीय वर्ष	4	1	5	2	1	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (21 & 22)	16	8	24	11	6	17	3	1	4	2	1	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
23	एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष (2013-14 से प्रवेश प्रारंभ)	7	6	13	2	1	3	2	3	5	1	2	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-
24	एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष	8	3	11	4	1	5	-	2	2	3	-	3	-	-	-	1	-	1	-	-	-
	कुल (23 & 24)	15	9	24	6	2	8	2	5	7	4	2	6	2	-	2	1	-	1	-	-	-
25	शिक्षा-आचार्य (एम.ई.डि)	18	10	28	9	5	14	3	3	6	5	2	7	1	-	1	-	-	-	-	-	-
	पी.जी. कुल (15-25)	304	222	526	149	96	245	113	110	223	31	12	43	10	4	14	1	-	1	1	1	2
26	एम.फिल	46	28	74	22	15	37	14	9	23	8	5	13	1	-	1	-	-	-	-	-	-
	एम.फिल शिक्षा शास्त्रि	8	1	9	3	1	4	-	-	-	5	-	5	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	रिसर्च कुल (26)	54	29	83	25	16	41	14	9	23	13	5	18	1	-	1	-	-	-	-	-	-
27	विद्यावारिधि-2013-14	69	21	90	50	16	66	11	4	15	6	1	7	2	-	2	-	-	-	-	-	-
28	विद्यावारिधि-2014-15	48	15	63	33	14	47	8	1	9	5	-	5	2	-	2	-	-	-	-	-	-
29	विद्यावारिधि-2015-16	34	10	44	18	6	24	9	3	12	5	1	6	2	-	2	-	-	-	-	-	-
	कुल (27-29)	151	46	197	101	36	137	28	8	36	16	2	18	6	-	6	-	-	-	-	-	-
	पि.एच.कुल कुल पृष्ट सं. 2 (15-29)	509	297	806	275	148	423	155	127	283	60	19	79	17	4	21	1	-	1	1	1	2
	व्यावसायिक पाठ्यक्रम (बि.एड-एम.ई.डि) कुल (14 & 25)	81	47	128	36	15	51	25	21	46	15	8	23	5	3	8	-	-	-	-	-	-

क्रम.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.			पु.	स्त्री	कु	पु.	स्त्री	कु	पु.			पु.	स्त्री	कु
	प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम																					
30	मंदिर संस्कृति में प्रमाणपत्र	1	1	2	-	-	-	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
31	ज्योतिष मे प्रमाणपत्र	6	2	8	4	2	6	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
32	पौरोहित्य मे प्रमाणपत्र	4	3	7	4	2	6	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (30 - 32)	11	6	17	8	4	12	3	2	5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	डिप्लोमा पाठ्यक्रम																					
33	पौरोहित्य में डिप्लोमा	-	3	3	-	3	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
34	मंदिर संस्कृति में डिप्लोमा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (33- 34)	-	3	3	-	3	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	पी.जी.डिप्लोमा पाठ्यक्रम																					
35	योग में पी.जी.डिप्लोमा (सांयकालिन कार्यक्रम)	43	11	54	17	6	23	17	3	20	6	2	8	3	-	3	-	-	-	-	-	-
36	पी.जी.डिप्लोमा योगा तेरपी स्ट्रेस् मेनेजमेंट	23	25	48	12	13	25	7	11	18	4	1	5	-	-	-	-	-	-	-	-	-
37	तुलनात्मक सौन्दर्य शास्त्र में पी.जी.डिप्लोमा मे भूमंडलीय परिप्रेक्ष्य	12	8	20	7	5	12	2	3	5	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
38	पौरोहित्य में पी.जी.डिप्लोमा	1	2	3	-	2	2	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (35- 38)	79	46	125	36	26	62	27	17	44	13	3	16	3	-	3	-	-	-	-	-	-
	अन्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम																					
39	भारतीय भाषाओं में डिप्लोमा	14	-	14	5	-	5	7	-	7	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
40	वेब तकनीकी में डिप्लोमा	1	10	11	-	5	5	-	4	4	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
41	संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तकनीक और रचनात्मक लेखन में प्रमाणपत्र	7	-	7	3	-	3	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (39 - 41)	22	10	32	8	5	13	11	4	15	3	1	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	अड्वान्सड डिप्लोमो																					
42	भारतीय भाषाओं में अड्वान्सड डिप्लोमा	5	1	6	1	1	2	1	-	1	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
43	वेब तकनीकी में अड्वान्सड डिप्लोमा	-	1	1	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
44	संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तकनीक और रचनात्मक लेखन में प्रमाणपत्र	4	-	4	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (42 - 44)	9	2	11	5	2	7	1	-	1	3	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल पृष्ट सं. 3	121	67	188	57	40	97	42	23	65	19	4	23	3	-	3	-	-	-	-	-	-
	कुल पृष्ट सं. 1	662	403	1065	236	160	396	301	147	448	59	35	94	66	60	126	-	1	1	1	1	2
	कुल पृष्ट सं. 2	509	297	806	275	148	423	155	127	283	60	19	79	17	4	21	1	-	1	1	1	2
	कुल योग पृष्ट 1, 2 । 3	1292	767	2059	568	348	916	498	297	796	138	58	196	86	64	150	1	1	2	2	2	4

* कुल शारीरिक विकलांग अतिरिक्त

एस्.सी., एस्,टी., ओ.बी.सी.के लिए छात्रवृत्तियाँ :

सरकार द्वारा एस्.सी., एस.टी., ओ बी.सी.के छात्रों के लिए घोषित छात्रवृत्ति विद्यापीठ के द्वारा निरंतर दी जाती है।

आरक्षण नियम पालन

विद्यापीठ में भारत सरकार एवं वि.अ.ए. के अनुसार समय-समय पर लागु होनेवाले आरक्षण नियम एस.सी.,एस.टी.और ओ.बी.सी. छात्रों के संबंध में जैसा भी नियम है उसके अनुसार प्रत्येक शैक्षिक वर्ष के पाठ्यक्रम जैसे प्राक्-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षा शात्रि (बी.एड्), शिक्षा आचार्य (एम.एड). एम.फिल और विद्यावारिधी (पी.एच.डी) और शिक्षक और शिक्षकेतर पदों के नियुक्ति के संबंध में भी आरक्षण का पालन किया जाता है।

योग्यता छात्रवृत्तियाँ :

योग्यता छात्रवृत्तियाँ छात्रों को गत परीक्षा के प्राप्त अंकों की प्रतिशतता के आधार पर दी जाती है। प्राक्शस्त्री प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को, शास्त्री प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों को तथा आचार्य प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को छात्र वृत्ति दी जाती है।

आ. व्यावसायिक पाठ्यक्रम :

शिक्षा संकाय

शिक्षा विभाग माध्यमिक विद्यालय के सेवा पूर्व एवं सेवारत-शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाता है। यह विभाग संस्कृत सीखने एवं शिक्षा-शोध को विकसित करने के लिए स्वतः अध्ययन उपकरण तैयार कर रहा है। निम्नलिखित पाठ्यक्रम विवरण इस प्रकारक है -

क्र.सं	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	सीट की संख्या	भर्ती
1	शिक्षा-शास्त्री(बी.एड्)	एक वर्ष	100	100
2	शिक्षा-आचार्य(एम्.एड्).	एक वर्ष	50	28
3	शिक्षा शास्त्र में एम्.फिल्.	एक वर्ष	10	09
4	विद्यावारिधी(पीएच.डी)	2-5 वर्ष	List enclosed in previous page	

अनौपचारिक शिक्षा :

इग्नू की दूरशिक्षा परिषत् ने विद्यापीठ के प्रस्ताव को स्वीकृत किया और 2003-04 से दूर शिक्षा कार्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति दी। **दूर शिक्षा को डा.सी.एच्.पी. सत्यनारायण,** आचार्य, शोध एवं प्रकाशन विभाग निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

वर्ष 2015-16 में चलाए जानेवाले प्राठ्यक्रमों का विवरण एवं भर्ती निम्न है :

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा केंद्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं, जिसका विवरण इस प्रकार है-

क्रमं.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	भर्ती
1.	प्राक्-शास्त्री	2 वर्ष	25
2.	शास्त्री/बी.ए.	3 वर्ष	37
3.	बी.ए.	3 वर्ष	01
4.	आचार्य	2 वर्ष	368
5.	योग विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	60
6.	संस्कृत में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	1 वर्ष	157
7.	संस्कृत में डिप्लोमा	1 वर्ष	148

हर साल में दो बार समस्त पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क कक्षाओं का आयोजन विद्यापीठ परिसर में किया जाता है।

आ. अनुसंधान

i. **प्रवेश:**

विद्यापीठ ने **विद्याविरिधी** (पीएच.डी.) साहित्य में /व्याकरण/ज्योतिष (फलित और सिद्धांत), न्याय/ अद्वैत वेदांत/ विशिष्टाद्वैत वैदांत/द्वैत वेदांत/ वेदभाष्य/ आगम / और शिक्षा शास्त्र में दी जाती है।

विश्वविद्यालय उन छात्रों को विद्यावारिधी की उपाधि प्रदान करती है, जिन्होंने अपना शोधकार्य पूरा कर लिया हो तथा शोधप्रबंध का मूल्यांकन विद्यापीठ द्वारा निर्धारित विशेषज्ञ से करा लिया गया हो।

वि.अ.ए. नए नियमों के अनुसार उपाधि, संस्कृत में विद्यावारिधी लिखा रहेगा और अंग्रेजी में **डाक्टर ऑफ फिलासोफी** होगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्णयानुसार विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) तीन मानित विश्वविद्यालयों यानि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, एस्.एल्.बि.एस्.आर्.एस्.विद्यापीठ के लिए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित करने के लिए एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा के फैसले के अनुसार राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा पहली परीक्षा CVVET-2011 आयोजित की गई है। रोटेशन के आधार पर वर्ष 2015 में यह CVVET का आयोजन करने के लिए राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की बारी है।

संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा (CVVET) का आयोजन सभी केन्द्रों में अगस्त 2015 को किया गया है। सभी योग्य और चयनित उम्मीदवारों का अनुसंधान पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है। पी.एच.डी. छात्रों की संख्या एवं विभिन्न विभागों का विवरण नीचे तालिका में प्रस्तुत है।

विद्यापीठ से पीएच.डी.उपाधि प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रं. सं.	वि.वि. सं	शोधार्थी का नाम	विभाग	मार्गदर्शक का नाम	पुरस्कार की तारीख
1.	497	शेख जमाल भाषा	साहित्य	डॉ.जे.बलिचक्रवर्ति	12.04.2015
2.	488	सी.एच.नागराजु	साहित्य	प्रो.के.रामसूर्यनारायण	13.04.2016
3.	491	लोपिता प्रियदर्शिनी	धर्मशास्त्र	डॉ. सितांशु भूषण पण्डा	17.04.2015
4.	487	सुचिस्मिता पृस्ती	अद्वैतवेदान्त	प्रो.के.गणपतिभट्ट	18.04.2015
5.	492	देबकी चक्र	साहित्य	डॉ.राणीसदाशिवमूर्ति	19.04.2015
6.	463	एन.कलावती	साहित्य	डॉ.सी.रंगनाथन	19.04.2015
7.	443	टी.पार्थसारथी	साहित्य	प्रो.टी.वी.राघवाचार्युलु	13.05.2015
8.	495	महेश कुमार पाणिग्राही	शिक्षाशास्त्र	डॉ.के.कादम्बिनी	12.07.2015
9.	500	सुधान्शु कुमार नंदा	ज्योतिष्य	प्रो.ए.श्रीपाद भट्ट	31.07.2015
10.	480	विजयेन्द्र राव. वि.एम.	द्वैतवेदान्त	प्रो.नरसिंहाचार्य पुरोहित	03.08.2015
11.	490	के.विश्वनाथ	न्याय	प्रो.ओ.एस.रामलाल शर्मा	04.08.2015
12.	508	ठाकुर राणा	धर्मशास्त्र	डॉ.सितांशु भूषण पण्डा	14.08.2015
13.	509	मनीशा.एल	शिक्षाशास्त्री	डॉ.आर.चंद्रशेखर	14.08.2015
14.	511	कार्तिक चंद्र दास	धर्मशास्त्र	डॉ.सितांशुभूषण पण्डा	14.08.2015
15.	494	सुमन मजुम्दर	साहित्य	प्रो.विरूपाक्ष वी. जड्डिपाल	17.08.2015
16.	499	आरती शर्मा	शिक्षाशास्त्र	प्रो.रविशंकर मेनोन	17.08.2015
17.	501	राधाकांत पण्डा	अद्वैत वेदांत	प्रो.एम.एल.नरसिंहमूर्ति	24.08.2015
18.	498	अदिति बसु	साहित्य	डॉ.विरूपाक्ष वी.जड्डिपाल	31.08.2015
19.	496	बी.श्रीकांतन	साहित्य	प्रो.सी.एच.पी.सत्यनारायण	01.0.2015
20.	493	राम संतोष बी	साहित्य	डॉ.सी.रंगनाथन	01.09.2015
21.	504	शण्मुखा	शिक्षाशास्त्र	डॉ.एस.मुरलीधर राव	08.09.2015
22.	485	रायुडु अरुणादेवी	आगम	प्रो.टी.वी.राघवाचार्युलु	06.10.2015
23.	503	एस.हरि हरन	ज्योतिष्य	प्रो.वी.उन्निकृष्णन् नम्पियात्री	13.10.2015
24.	502	प्रदीप कुमार साहु	सांख्ययोग	डा. ज्योति	30.10.2015
25.	515	पी.के.एस.पवन कुमार	व्याकरण	प्रो.जे.रामकृष्ण	15.12.2015
26.	507	कोन्डूरी राजीव कुमार	साहित्य	डॉ.के.राजगोपालन	21.12.2015
27.	518	मंजुनाथ.एस.जी.	अद्वैतवेदान्त	प्रो.एम.एल.एन.मूर्ति	22.12.2015
28.	489	ई.सूर्य किरण कुमार	साहित्य	डॉ.राणी सदाशिवमूर्ति	28.12.2015
29.	521	मुरलीशाम.एच	ज्योतिष्य	प्रो.राधाकांत ठाकुर	31.12.2015
30.	522	जी वी.फणिराजशास्त्री	व्याकरण	प्रो.आर.एल.एन.शास्त्री	08.01.2016
31.	516	कलासु राजेश	शिक्षाशास्त्र	प्रो.रविशंकर मेनोन	18.01.2016

क्रं. सं.	वि.वि. सं	शोधार्थी का नाम	विभाग	मार्गदर्शक का नाम	पुरस्कार की तारीख
32.	510	श्री हरि हर्षि	द्वैतवेदान्त	डॉ.नारायण	25.01.2016
33.	533	पी.वंसीकृष्ण	द्वैतवेदान्त	प्रो.नरसिंहाचार्य पुरोहित	25.01.2016
34.	513	संका उषाराणी	व्याकरण	प्रो.एस.एस.सत्यनारायण मूर्ति	25.01.2016
35.	528	टी.शिवकुमार	सांख्य योग	डॉ.डी.ज्योति	25.01.2016
36.	526	चिट्टि होटी सुमलता	साहित्य	डॉ.जे.बलिचक्रवर्ति	16.02.2016
37.	517	मद्दा रविकिशोर	साहित्य	डॉ.जे.बलिचक्रवर्ति	16.02.2016
38.	505	के.प्रभाकर भट्ट	द्वैतवेदान्त	डॉ.नारायण	03.03.2016
39.	512	कृष्णारानी उपाध्याय	साहित्य	प्रो.सत्यनारायण आचार्य	18.03.2016
40.	519	के.लीनाचंद्रा	साहित्य	प्रो.राणी सदाशिव मूर्ति	29.03.2016

इ-प्रकाशन

सन् 2015-16 में विद्यापीठ ने कई महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का प्रकाशन किया है, वे निम्न हैं -

ग्रन्थ का नाम	लेखक / सम्पादक	प्रधान सम्पादक
1. महस्विनी (IX)	प्रो.सि.एच.पि.सत्यनारायण	प्रो. एच.के. शतपथी
2. संस्कृतनिबन्ध मंजूषा	डॉ. सिंहाचल पंडा	प्रो. एच.के. शतपथी
3. मनोनमनी	डॉ. सत्यनारायण आचार्य	प्रो. एच.के. शतपथी
4. क्लासिकल संस्कृत प्रोसोडी	डॉ. एडुकोंडलु	प्रो. एच.के. शतपथी
5. संस्कृत शिक्षा (II)	डॉ. सत्यनारायण आचार्य	प्रो. एच.के. शतपथी
6. संस्कृत शिक्षा (II)	डॉ. सत्यनारायण आचार्य	प्रो. एच.के. शतपथी

शेमुषी - विद्यापीठ वार्ता पत्रिका

विद्यापीठ में मासिक रूप में शेमुषी नामक से पत्रिका निकाला जाता हैं। इस वार्ता पत्रिका में विद्यापीठ के समस्त समाचारों को प्रकाशित किया जाता है और उसे भारत के समस्त विश्वविद्यालय एवं गण्यमान्य व्यक्तियों तक पहुंचाया जाता है। साहित्य विभाग के सह-आचार्य डा. के. राजगोपालन् इस शेमुषी के संपादक है।

विभागीय पत्रिकायों

1. शिक्षा विभाग - शिक्षालोक
2. साहित्य विभाग - रसधुनी

ई. प्रशिक्षण

अ. उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र -

उद्देश्य - विद्यापीठ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वित्तीय सहायता के साथ अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र शैक्षणिक वर्ष 2007-2008 से आरंभ किया गया था। ये अनुशिक्षण केंद्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अल्पसंख्यक श्रेणियों के लिए शिक्षण कक्षाओं का आयोजन करता है। अन्यश्रेणियों तथा जिसे शिक्षण की जरूरत होती है उन्हें भी कक्षाओं में भाग लेने की अनुमती दी जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के लिए अनुशिक्षण कक्षाएँ -

उपचारात्मक कोचिंग कक्षाओं को सितंबर 2015 को शुरू किया और मार्च 2016 को बंद कर दिया। कक्षाओं को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। वर्ष 2015-16 में उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र द्वारा पाठ्यक्रम की पूर्ती - उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र द्वारा सभी शास्त्रों - (1) आचार्य प्रथम वर्ष (2) आचार्य द्वितीय वर्ष (3) शास्त्री प्रथम वर्ष (4) शास्त्री द्वितीय वर्ष (5) शास्त्री तृतीय वर्ष (6) प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष (7) प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष और (8) शिक्षा शास्त्री (बी.एड) के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्याक श्रेणियों के छात्रों के लिए कक्षाएँ आयोजित किया गया। 569 छात्रों ने इस शिक्षा से लाभान्वित हुए। 49 शिक्षकों को.शिक्षण हेतु नियुक्त किया गया। उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र ने पढने की सामग्री दिया तथा समय समय पर परिक्षाएँ रखते थे।

54 वाँ अखिल भारतीय राज्य स्तर शास्त्र भाषण प्रतियोगिता

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति ने 54 वाँ अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं के लिए राज्यस्तर के प्रतियोगिताओं को अपने इतिहास में प्रप्रथम आयोजित किया दि.26 तथा 27 दिसंबर 2015 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने इस कार्यक्रम को अत्यन्त सफलता पूर्वक सम्पन्न किया। आन्ध्रप्रदेश से 4 संस्था में विभिन्न क्षेत्रों से भाग लिये। इस प्रतियोगित में हमारे विध्यार्थी अधिकतम स्थान प्राप्त किये।

माननीय उपकुलपति महोदय प्रो.हरेकृष्णशतपथी ज्योति प्रज्वलन से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने प्रमुख भाषण में उन्होंने शास्त्र की प्रामुख्यता,भाषण के कौतहाल तथा तकनीक का विवरण दिया अपने भाषण में शास्त्रों के विशेष विषयों पर व्याख्यान के तकनी की पहलुओं स्पष्टीकरण करते हुए छात्रों को प्रेरणा प्रदान किया प्रो.राधाकान्त ठाकुर डीन अकेडेमिक अफैर्स को अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम के आयोजक डॉ. नारयणा वाग्वर्धिनी परिषद् के समन्वयक स्वागत भाषणदिया तथा डॉ. बलिचक्रवर्ती अतिरिक्त समन्वयक ने धन्यवाद समर्पण किया। इस कार्यक्रम के प्रधान डॉ.पि.टि.जि.रंग रामानुजाचार्युलु अतिरिक्त समन्वयक वाग्वर्धिनि परिषद् को व्यवहार किया आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक तथा तमिलनाडु के विभिन्न क्षेत्रों से निर्णायकों को आमन्त्रित किया गया।

1. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।
2. एस.वि.वेदिक विश्वविद्यालय, तिरुपित।

लगभग 35 से 40 भागीदारों ने बहुत उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया। 21 विषयों पर प्रतियोगिताये पुरस्कारों से छात्रों को पुरस्कृत किया गया दि. दिसेंबर, 2015 ए.एस.वि.वेदिक विश्वविद्यालय में प्रबन्धित किये गये 54 वाँ अखिल भारतीय शास्त्र भाषण प्रतियोगताओ के लिए राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ से करीब 13 विध्यार्थियों का

भाग लिया गया । दि.27, नवंबर, 2016 को सम्पन्न बिदाई समारोह में प्रो. हरेकृष्ण शतपथी ने चयनित छात्रों को आशीर्वाद दिया ।

54 वाँ अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता में 10 विध्यार्थियों ने पुरस्कार प्राप्त किये जिन में स्वर्ण पथक, 6 रजत पथक और 2 कांस्य पथक से प्राप्त किये ।

ऐ.ए.एस.शिक्षा केन्द्र -

विद्यापीठ के छात्रों को ऐ.ए.एस में शिक्षण देने के लिए विद्यापीठ ने विशेष शिक्षा केन्द्र का शुभारंभ किया । केन्द्र का उद्घाटन करते हुए डा. अरविंद राव पूर्वनिदेशक पुलिस विभाग आँ.प्र.सरकार ने घोषित किया कि ऐ.ए.एस अधिकारी केन्द्र सरकार राज्य सरकार, सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रमुख और प्रतिष्ठित स्तरों में कार्य करते हैं । उन्होंने छात्रों को यह सहाल दिया कि छात्र ऐ.ए.एस परीक्षाओं के लिए अच्छी तरह पढें और उत्तीर्ण हो जायें । और छात्रों को उन्हों ने शुभ कामनायें दी । प्रो. हरेकृष्ण शतपथी कार्यक्रम की अध्यक्षता की प्रो.सि. उमाशंकर, रजिस्ट्रार समारोह का स्वागत किया । प्रो. आर. के. ठाकुर धन्यवाद समर्पण किया प्रो. नागेन्द्र साई पूवप्रिन्शपाल एस.वि.आर्टस् कलाशाला ति.ति.देवस्थानानि को.ऐ.टा.एम केन्द्र के अतिथि आचार्य के रूप में नियुक्त किया डाँ.वि.रमेशबाबू केन्द्र के समन्वयक है ।

उ. संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ

(I) राष्ट्रीय संगोष्ठी ज्योतिष्य में

ज्योतिष्य विभाग के द्वारा 11.03.2016 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य "आज के आधुनिक समाज में ज्योतिष्य की प्रासंगिकता" । अन्य राष्ट्र से सात शोध छात्रों ने इस संगोष्ठी में भाग लेकर अपने प्रपत्र को समर्पित किया । इसके साथ ही ज्योतिष्य विभाग के अध्यापकगण और शोध छात्र अपने प्रपत्र को समर्पित किए ।

11.03.2016 को आचार्य रमारंजन मुखर्जी सभा भवन में सुबह दस बजे इस सत्र का उद्घाटन किया । एस.वि.वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य के.ई.देवनाथन जी ने इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। उन्होंने अपने बहुमूल्य भाषण में ज्योतिष्य के मूल्य और आम आदमी तक इस विषय को पहुँचाने की सुझाव दी । आचार्य आर.एल.एन.शास्त्री और शैक्षिक शंकाय प्रमुख ने इस सत्र का अध्यक्ष बने थे ।

दूसरा सत्र का शुभारंभ सुबाह ग्यारह बजे हुआ था । आचार्य टी.पी.राधाकृष्णन् इस सत्र के अध्यक्ष बने । इस सत्र में डॉ. के.टी.वी.राघवन, तिरुपित, डॉ. के.शंकर साई बाबू गुंटूर, डॉ. दिनकर मराटे, नागपूर, और डॉ. कृष्णेश्वर झा, आर.एस.विद्यापीठ, अपने प्रपत्र को समर्पित किया ।

तीसरा सत्र दोपहर ढाई बजे शुरु हुआ । आचार्य टी.पी.राधाकृष्णन इस सत्र के अध्यक्ष बने । आचार्य उन्नीकृष्णन नंपियात्री, आर.एस.विद्यापीठ, डॉ.मुरलीकृष्णा टी, श्रींगेरी से डॉ.सुधीश ओ.एस, तिरुवनंतपुरम् से डॉ.चित्तरंजन नायक पूरी से, डॉ.केशव मिश्रा, डॉ.राजश्री पाडी, डॉ. नारायण नंपूत्री, एन.टी, आर.एस.विद्यापीठ ने अपने प्रपत्र को समर्पित किया ।

चौथा और अंतिम सत्र के अध्यक्ष डा.गणपति भट्ट बने। जिसका आरंभ शाम चार बजे को हुआ था । यह सत्र विभाग के शोध छात्रों की विशेष प्रयोजन के लिए किया गया ।

संगोष्ठी में समर्पित किए गए सब प्रपत्र जानकारी पूर्ण और सोचने लायक है । इस संगोष्ठी में भाग लिए सब छात्र, शोध छात्र और अन्य विभाग के छात्र बहुत लाभान्वित हुए । इस संगोष्ठी को सफल बनाने में मदद देनेवाले विद्यापीठ के प्रशासनिक अधिकारों को ज्योतिष्य विभाग ने हार्दिक धन्यवाद समर्पित किया ।

(II) द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

29-30 मार्च 2016 को अद्वैतवेदांत में श्री अप्पय्य दीक्षितेन्द्र का योगदान पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । आचार्य आर कृष्णमूर्ति शास्त्री, सेवानिवृत्त, प्राचार्य, मद्रास संस्कृत कालेज, चेन्नै मुख्य अतिथि के रूप में पधारे । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति आचार्य हरेकृष्ण शतपथी इस संगोष्ठी के अध्यक्ष बने। समापन समारोह का आयोजन 30.03.2016 को संपन्न हुआ । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य वी. गोपाल कृष्ण शास्त्री सेवानिवृत्त प्राचार्य, गौतमी विद्यापीठम्, राजमन्ड्री से पधारे । डॉ. गणपती भट्ट इस संगोष्ठी के संयोजक थे ।

(III) एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला -

भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, बेंगलौर के सहयोग से आर.एस.विद्यापीठ के धर्मशास्त्र विभाग ने मिथाक्षर और भारती दंडसंहिता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया था ।

(IV) एक विशेष व्याख्यान :

दिनांक 31 जनवरी 2016 दोपहर के 12.00 बजे भारतीय आयुर्वेद संस्था तथा एकीकृत चिकित्सा, साहित्यिक अनुसंधान केंद्र, बंगलौर के अध्यक्ष प्रो.एम.ए.लक्ष्मी ताताचार्य द्वारा " पांडुलिपियों " तथा उसके अनुप्रयोग पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया ।

(V) मध्ययुगीन भक्तिसाहित्य: दार्शनिकता और प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी :

"मध्ययुगीन भक्तिसाहित्यः दार्शनिकता और प्रासंगिकता" विषय पर दिनांक 25 और 26 मार्च, 2016 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था । प्रो.आई.एन.चंद्रशेखर रेड्डी हिन्दी विभागाधिपति, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे । प्रो.नारायण राजू, हिंदी विभागाधिपति ने समारोह की अध्यक्षता की। डा. लतामंगेश, सह आचार्य हिंदी विभाग संगोष्ठी के समन्वयक ने अतिथियों का स्वागत किया तथा संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्यो को बताया था । डा. जी.मोहन नायुडु ने धन्यवाद अर्पण किया था ।

चार सत्रों में भारत के विभिन्न प्रांतो से 50 प्रपत्र वाचकों ने संगोष्ठी में भाग लेकर प्रपत्र वाचन किया।

II. पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ

(अ) वाग्वर्धिनी परिषद्

शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के दौरान वाग्वर्धिनी परिषद 22.07.2015 को माननीय कुलपति प्रो.हरेकृष्ण शतपथी, मुख्य अतिथी द्वारा उद्घाटन किया गया और उन्होंने अपने बीज भाषण द्वारा छात्रों को आशिर्वाद दिया था। इस अवसर पर प्रो.राधा कांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख ने अध्यक्षीय भाषण दिया था। इस समारोह में संकाय सदस्य तथा छात्र उपस्थित थे। डॉ. नारायण संयोजक, डॉ.जे.बलिचक्रवर्ति और डॉ.पी.टी.जी.रंगरामानुजाचार्युलु अतिरिक्त संयोजक ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया था।

1. इस वर्ष वाग्वर्धिनी परिषद ने तीन स्तर अर्थात प्राकशास्त्री, शास्त्री और आचार्य स्तर में 12 सत्रों में साप्ताहिक प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक आयोजन किया तथा संस्कृत में बोलने की क्षमता विकसित करने के लिए छात्रों को विशेष सुझाव दिए।
2. इसके अलावा विद्यापीठ के छात्रों ने भारत के चार विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर भव्य तरीके से पुरस्कार तथा पदकों को जीता। निम्नलिखित प्रतियोगताओं में हमारे छात्रों ने भाग लिया था।

1. श्रीकृष्णजन्माष्टमी 2015 के अवसर पर 21 अगस्त को इस्कान मंदिर तिरुपति द्वारा जिला स्तरीय वार्षिक अंतर कालेजिएट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाग्वर्धिनी परिषद ने लगभग 40 छात्रों को विभिन्न समूहों और स्तरों में भेजा। 12 छात्रों ने सफलतापूर्वक पुरस्कार प्राप्त किया था। पुरस्कार विजेताओं का नाम निम्न प्रकार है -

1. वै.प्रसन्नन्जय और पी.पद्मश्री ने संयुक्त रूप से तेलुगु वादविवाद में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए। (प्राक शास्त्री स्तर)
2. टी.बाला हनुमान (बी.एस.सी.II) ने अंग्रेजी वाद विवाद में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया (शास्त्री स्तर)
3. एम.रेवती सुप्रजा और श्रीविद्या ने संयुक्त रूप से तेलुगु वादविवाद में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए (आचार्य स्तर)
4. श्रीहिता और अभीख्या ने संयुक्त रूप से अंग्रेजी वादविवाद में सांत्वना पुरस्कार को प्राप्त किए (शास्त्री स्तर)
5. राम तिरुमल रेड्डी और ए आर वी नागेंद्र कुमार संयुक्त रूप से तेलुगु वादविवाद में द्वितीय पुरस्कार को प्राप्त किए। (आचार्यस्तर)
6. देबव्रत घोष और हेमचंद्र संयुक्त रूप से चित्रकारी में द्वितीय पुरस्कार को प्राप्त किए (आचार्य स्तर)
7. डी.कामेश्वरी ने देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त की (आचार्य स्तर)

   वाग्वर्धिनी परिषद और विद्यापीठ के पूरे सदस्यों ने विजेताओं को बधाई दी।
8. दिनांक 26 नवंबर 2015 विक्रमविश्वविद्यालय, उज्जैन में अखिल भारतीय कालिदास समारोह के लिए विद्यापीठ ने दो छात्रों को भेजा। उनके नाम हैं -

   1. किरण भट्ट (आचार्य-I) (2) आलोकचंद्र पाढी (आचार्य-I) किरण भट्ट को प्रथम पुरस्कार और स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ आलोक चंद्र परिडा को पंचम पुरस्कार मिला। इन दोनों छात्रों के उत्कृष्ठ प्रदर्शन के कारण उज्जैन से विजय वैजयन्ती पुरस्कार को सफलतापूर्वक प्राप्त किया।

3. राष्ट्रीय युवादिवस 2015 के अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम, तिरुपति ने दिनांक 20 दिसंबर 2015 को तेलुगु और अंग्रेजी भाषा में लेखन तथा निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। लगभग 15 छात्रों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया । 5 छात्रों को पुरस्कार प्राप्त हुए थे । तेलुगु और अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में तीन प्रथम पुरस्कार और तीन द्वितीय पुरस्कार सफलतापूर्वक प्राप्त किए ।
4. रामचंद्र मिशन, तिरुपति ने अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिताओं को तेलुगु अंग्रेजी और हिंदी भाषा में आयोजित किया । छः छात्रों ने भाग लिया और पाँच छात्रों ने पुरुस्कार जीता । उन में से तीन छात्रों को प्रथम पुरस्कार और दो छात्रों को द्वितीय पुरस्कार मिला ।
5. अखिल भारतीय युवा जय उत्सव 2016 समारोह दिनांक 5 से 9 जनवरी 2016 तक पूरी, उडीसा राज्य में आयोजन किया गया । 15 छात्रों ने समारोह के तहत प्रतियोगिताओं में भाग लिया ।

एम. कृष्णाराव (शास्त्री- III) को अंग्रेज और हिंदी भाषा के समूह चर्चा में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए ।

(आ) मैक्स मुलर अंग्रेजी क्लब

मैक्समूलर अंग्रेजी क्लब विद्यापीठ छात्रों की एक स्वैच्छिक संगठन हैं जो अंग्रेजी विभाग के कर्मचारियों के मार्ग दर्शन द्वारा संस्कृत छात्रों में अंग्रेजी बोलने की कौशल में सुधार लाने की कोशिश किया जा रहा है । उपरोक्त प्रयोजनों को प्राप्त करने की उद्देश्य से शैक्षिक वर्ष 2015-16 में क्लब ने 16 सत्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया ।

शैक्षिक वर्ष 2015-16 के लिए प्रो.डी.पी.सिंह, कुलपति, देवीअहल्या विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा दिनांक 6 जुलाई 2015 को क्लब का उद्घाटन किया गया प्रो.सिंह ने संस्कृत छात्रों में अंग्रेजी बोलने की कौशलों को विकसित करने में विद्यापीठ की विशेष प्रयासों की सराहना की समारोह के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो.एच.के.शतपथी ने अकादमिक सहायता से छात्रों में छिपी कौशलों की वृद्धी करने की ओर संस्था के इन विभिन्न परिषदों द्वारा ख्याति लाने के लिए कहा । प्रो.आर.के.ठाकुर शैक्षिक संकाय प्रमुख इस सम्मारोह के सम्माननीय अतिथि थे ।

क्लब का पहला सत्र ब्रेयेन स्टारमिंग सत्र 10.07.2015 को किया गया । इस सत्र में छात्रों ने आगामी शनिवार को संचालन की जाने वाली सत्रों की रूप रेखा पर चर्चा की ।

दूसरे सत्र 18.07.2015 में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्राक शास्त्री छात्रों के लिए "अपना परिचय", "छुट्टियों को कैसे मनाया गया" और शास्त्री तथा आचार्य छात्रों के लिए "युवा पर सोशियल मीडिया का प्रभाव" विषय थे । दिनांक 25.07.2015 के तीसरे सत्र में एनीमेशन फिल्म "मडगास्कर" को दिखा गया और छात्रों से फिल्म पर एक महत्वपूर्ण विचार लिखने के लिए कहा गया । दिनांक 01.08.2015 को चौथे सत्र में भाषण प्रतियोगिता को आयोजित किया गया । प्राकशास्त्री के छात्रों के लिए विषय "डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम" जबकी शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए "छात्रों पर राजनीति का प्रभाव - वरदान या शाप" विषय पर वाद विवाद रखा गया था ।

दिनांक 08.08.2015, पंचम सत्र के भाषण प्रतियोगिता के विषय "भारत छोडो आंदोलन" पर प्राकशास्त्री, शास्त्री और आचार्य छात्रों क्रमशः अपने विचारों को व्यक्त किया । छठे और सातवें सत्र 22.08.2015 तथा 05.09.2015 को शास्त्री छात्रों के लिए आयोजित किए गए । जि समें वरिष्ठ छात्र तथा विभाग के शिक्षकों ने छात्रों

को बोलने की कौशलों की अभ्यास में मदद की, दिनांक 12.09.2015 को आठवें सत्र का आयोजन किया गया । प्राकशास्त्री छात्रों के लिए विषय था "क्यों हम त्योहार मनाते हैं ?" जबकि शास्त्री और आचार्य छात्रों ने समूह गतिविधि में शामिल थे । क्लब का नौवां सत्र 19.09.2015 आयोजित किया गया था और "हेचिको - एक कुत्ते की कहानी" फिल्म को दिखाया गया और छात्रों से स्क्रीनिंग परीक्षण के बाद उनके समझने की तथा श्रवण कौशलों की परीक्षा के लिए प्रश्न किए गये सवालों को जवाब देने के लिए कहा गया । दसवें सत्र 26.09.2015 निबंध प्रतियोगिता को आयोजित किया गया था । प्राकशास्त्री छात्रों के लिए विषय "यात्रा में अपना अनुभव" जब कि शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए " जहाँ चाह है वहाँ रास्ता है " कहावत पर कहानी लिखने के लिए कहा गया ।

ग्यारहवीं सत्र 03.10.2015 को आयोजित किया गया और "मार्निंग रागा" फिल्म दिखाया गया ।

बारहवीं सत्र 05.12.2015 आयोजित किया गया था और भाषण प्रतियोगिता के लिए "वनों की कटाई " प्राक शास्त्री छात्रों के लिए "जलवायुपरिवर्तन" आचार्य और शास्त्री छात्रों के लिए दिया गया ।

04.02.2016 को आयोजित तेरहवीं सत्र प्रश्नोत्तरी सत्र था । जिस में 12 टीमों में 5 सदस्य थे । चौदाहवें सत्र 13.02.2016 को बोलने की अभ्यास कराने के लिए आयोजित किया गया था । शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्रों ने शास्त्री प्रथमवर्ष छात्रों की जिम्मेदारी ली और उन से अभ्यास करवाया ।

पंद्रहवें सत्र में प्राक शास्त्री के लिए "कहानी सुनाना" और शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए कहावत को समझाना था । इस सत्र का आयोजन 20 फरवरी को किया गया था ।

दिनांक 27 फरवरी को आयोजित सोलहवीं सत्र शब्दावली खेल का सत्र था। जिस में प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य छात्रों ने भाग लिया था । लगभग 80 छात्रों ने इस गतिविधि में भाग लिया था ।

मैक्समुलर क्लब ने दिनांक 5 अक्टूबर 2015 को "तेलुगु पद्याललो आंग्लोच्चारण विधिविधानालु " नामक पुस्तक विमोचन समारोह का भी आयोजन किया । प्रो.अरुणाचलम, द्रविडियन विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सम्माननीय अतिथि थे और पुस्तक विमोचन किया था । इस अवसर पर पुस्तक के लेखक श्री सीखायल पट्टेड , सुदर्शनम जी को भी सम्मानित किया गया ।

इस प्रकार क्लब ने अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सभी प्रतिभागियों के भाषा में सुधारलाने की प्रयास किया । इस प्रयत्न में विभाग के सदस्य और अन्य विभागों के कर्मचारी गण द्वारा भी मदद प्राप्त हुई थी । इस के लिए अंग्रेजी विभाग आभार व्यक्त करता है । इस साल का अन्य महत्वपूर्ण पहलू है कि अंग्रेजी साहित्य के तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों को भाषाई कौशलों को अभ्यास कराना है ।

(इ) तुलसीदास हिंदी परिषद

वर्ष 2015-16 के दौरान 11.08.2015 को तुलसीदास हिंदी परिषद को उद्घाटित किया गया । प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति, श्रीभाष्यं स्वामी, मेलकोटे मुख्य अतिथि थे ।

छात्रों में छिपी भाषण कौशलों को बाहर लाना ही इस परिषद का मुख्य उद्देश्य है । विविध प्रतियोगितायाँ - क्वीज, लेखन, भाषण, नाटक का आयोजन किया गया पूरे 10 सत्रों का आयोजन किया गया । विद्यापीठ के विविध विभागों के सदस्यों ने परिषद के निर्णायक पद को सुशोभित किया ।

वर्ष 2015-16 के दौरान 26.03.2016 को समापन समारोह का आयोजन किया गया । प्रो. एच.के. शतपथी, आर.एस. विद्यापीठ के कुलपति मुख्य अतिथि थे । प्रो. आर.के. ठाकुर, शैक्षिक संकाय ने समारोह की अध्यक्षता की और विभिन्न सत्रों के विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कारों से पुरस्कृत किया ।

(ई) अन्नमय्या साहित्य कलापरिषद

इस शैक्षिक वर्ष 2015-16 के लिए 18.08.2015 को औपचारिक रूप से उद्घाटन किया था । बारह सत्र भाषण, निबंध, आशुभाषण, गायन, फिल्म दिखाना, प्रश्नोत्तरी आदि गतिविधियों से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

दिनांक 29.08.2015 को गिडुगु राममूर्ति पंतुलु के जन्मदिन तथा तेलुगु भाषा दिनोत्सव के शुभ अवसर पर विशेष प्रकार से निबंध लेखन की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दिनांक 23.09.2015 को तेलुगु के दिग्गज गुरजाडा जी की जयंती को भी मनाया गया । इस अवसर पर प्रख्यात विद्वानों प्रोफेसर के.सर्वोत्तमराव सेवा निवृत्त, तेलुगु विभाग, एस.वी.विश्वविद्यालय तथा विशिष्ठ अतिथि के रूप में प्रोफेसर के.मधुज्योती, तेलुगु विभाग, श्रीपद्मावती महिला विश्वविद्यालय को आमंत्रित किया गया ।

(उ) सांस्कृतिक कलापरिषद

सांस्कृतिक कला परिषद् का उद्देश्य विद्यापीठ के छात्रों में सांस्कृतिक कला, ज्ञान को विकसित करना है। इस वर्ष भी स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह समारोह, गणतंत्र दिवस और अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा उत्सव आदि में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। डा. आर. सदाशिव मूर्ति इस परिषद के संयोजक थे।

(ऊ) प्रयोजनमूलक संस्कृत :

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संस्थापित यह प्रयोजनमूलक संस्कृत पाठ्यक्रम नोडाल केंद्र विश्वविद्यालय में चलाया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के केंद्र द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाता है और अलग-अलग प्रयोजनमूलक संस्कृत विषयों पर समयानुसार संगोष्ठियों का आयोजन तथा राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ज्ञान का विकास किया जाता है । इस केंद्र में आडियो दृश्य प्रयोगालय एवं ग्रंथालय है । यह केंद्र यज्ञ एकाग्रता, वैदिक संस्कार आदि पर आडियो-विडियो प्रलेखन आदि बनाया गया है। इस केंद्र द्वारा वैज्ञानिक आवरण से प्राक्-शास्त्री एवं शास्त्री छात्रों के लिए नियमित अध्यापन चलाया जाता है । यह प्रयोजनमूलक संस्कृत इकाई में अर्चकत्वं और पौरोहित्य में प्रमाण-पत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

(ऋ) सेतु पाठ्यक्रम

आचार्य कोर्स के नए छात्रों के लिए सेतु पाठ्यक्रम -

(9 से 15 तक जुलाई 2015) सेतु पाठ्यक्रम अर्थात् जोडने की प्रक्रिया सा संवारने के पाठ्यक्रम है जो छात्रों के बीच में एक विशेष क्षेत्र या विषय प्रवेश करने में सक्षम बनाता है ।

विद्यापीठ में विभिन्न पाठ्यक्रमों में भर्ती लिए छात्रों के लिए सेतुपाठ्यक्रम का आयोजन किया गया । शैक्षिकव्रष 2015-16 के लिए यह 09.07.2015 से 15.07.2015 तक आयोजित किया गया । विभिन्न शास्त्रों से 150 से अधिक छात्र अर्थात् साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष्य, धर्मशास्त्र, वेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत, द्वैत वेदांत, मीमांसा, पुराण और अन्यों ने इस सेतु पाठ्यक्रम में भाग लिया । हमारे विद्यापीठ के विशिष्ठ आचार्य और बाहर से आमंत्रित विभिन्न विद्वानों द्वारा विभिन्न विषयों पर कई व्याख्यान दिए गए। साहित्य विभाग के डॉ. सी.रंगनाथन और डॉ. भरत भूषण रथ इस कार्यक्रम के संयोजक तथा अतिरिक्त संयोजक थे । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों की विभिन्न क्षेत्रों का अवगत कराना और उन्हें शास्त्रों अर्थात् साहित्य, दर्शन, कंप्यूटर, व्याकरण, शिक्षाशास्त्र और अंग्रेजी के अध्ययन के लिए तैयार करना है ।

(ए.) प्रथम कुलाधिपति प्रो.एम.एम.पट्टाभिराम शास्त्री जी की स्मृति में व्याख्यान माला :-

मिमांसा और साहित्य के प्रखंड विद्वान और विद्यापीठ के प्रथम कुलाधिपति प्रो.पट्टाभिराम शास्त्री जी के योगदान के स्मृति में संस्था ने पट्टाभिराम शास्त्री व्याख्यानमाला का आरंभ किया था । इस योजना के तहत कई प्रख्यात विद्वानों को आमंत्रित कर संस्कृत साहित्य और भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान न देने के लिए अनुरोध किया। प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान प्रथम और दूसरे व्याख्यान दिनांक-27.08.2015 को आयोजित किया गया । डॉ. मणिद्रविड, चेन्नई और प्रो.हरिदास भट्ट, बंगलौर ने व्याख्यान दिए । तृतीय और चतुर्थ व्याख्यान दिनांक 27.08.2015 को आयोजित किया गया । प्रो.के.ई.देवनाथन और प्रो.के.ई.धरणीधरन व्याख्यान दिए । पांचवें व्याख्यान प्रो.चौधरी द्वारा 09.10.2015 पर आयोजित किया गया था । प्रो.सी.एच.सत्यनारायण शास्त्री, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी, व्याकरण पर व्याख्यान दिए । छठा व्याख्यान 17.12.2015 पर आयोजित की गई थी । ब्रह्मश्री चंद्रशेखर गणापाठी, ति.ति.दे, तिरुपति, वेदभाष्यम पर व्याख्यान दिया । सातवें व्याख्यान 22.12.2015, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गाँधी परिसर, श्रृंगेरी के प्रो.नवीन होल्ला ने न्याय पर व्याख्यान दिया । आठवाँ व्याख्यान 25.02.2016 को आयोजित किया गया था । प्रो. शंकर नारायणन, श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, कांचीपुरम, साहित्य पर व्याख्यान दिया । नौवें व्याख्यान 10.03.2016 को आयोजित किया गया था । प्रो.ईश्वर भट्ट, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, ज्योतिष्य पर व्याख्यान दिया था । प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान डॉ. के गणपति भट्ट और डॉ. के विश्वनाथ इस व्याख्यान माला के संयोजक थे ।

III. पाठ्येतर गतिविधियाँ

(अ) खेल कूद प्रतियोगिता -

वर्ष 2015-16 के छात्र प्रवेश के बाद सभी छात्रों को यह सूचित किया गया कि वे सुबह 6.00 से 7.00 बजे को नियमित रूप से विशेष प्रशिक्षण सत्र में भाग लें । यह कार्यक्रम हर साल चलाया जाता है ताकि छात्र दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय स्पर्धा और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय स्पर्धाओं में खेलने हेतु तैयार किया जाता है। मुक्त व्यायम के बाद विशिष्ट खेलों में छात्रों को सुबह और शाम में इंडोर तथा अउटडोर स्टेडियम में प्रशिक्षण दिया जाता है ।

इंडोर सभांगण सुबह 6.00 बजे से 8.00 बजे और शाम में 5.00 बजे से 7.30 बजे तक खुला रहता है। ताकि विद्यापीठ के सभी छात्र और कर्मचारी अलग अलग उपकरणों से भरपूर फायदा उठाए । खेलों में भाग लेने हेतु चुने हुए छात्रों को बहुविध व्यायाम शाला में श्रृंखला बद्ध प्रशिक्षण दिया जाता है । विभाग के प्रशिक्षकों/शिक्षकों तथा विशेषज्ञों उन्हें निर्देशित करते रहते हैं ।

स्वस्था तथा सर्वश्रेष्ठ दक्ष छात्रों की पहचान कर उन्हें चुना जाता है। चुने गए छात्रों को विभिन्न खेलकूद में प्रशिक्षित करने के बाद अंतर/दक्षिण अंतर एवं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेलों भाग लेने केलिए भेजा जाता है ।

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता -

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथेलेटिक मिलन (पुरुष और स्त्री) दिनांक 26 दिसंबर से 6 जनवरी, 2016 तक पटियाला के पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया । डॉ.सी.गिरिकुमार प्रभारी खेल सचिव, व्यायाम शिक्षाविभाग, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति के निर्देशन में 5 छात्रों की एक दल स्पर्धाओं भागलिया था । राजेशकुमार (आ-II) ओंटिपुलि साम्बशिवराव (शा-III), अर्जुन मंडल (शा-III), संतोष सबर (शा-III) रायलचेरुवु हेमंत (बीएससी-II) - प्रतिभागी थे ।

दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता -

दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय वाली बाल (पुरुष) खेल प्रतियोगिता - दिनांक 22 से 28 अक्टूबर 2015 तक आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखपट्टनम, आंध्रप्रदेश द्वारा दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय वाली बाल (पुरुष) खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । छ छात्रों का एक टीम ने भाग लिया। (1) सौरव मण्डल (पी एच डी) (2) रजत कुमार नायक (ए.फील) (3) हेमंत पधान (आ-II) (4) संजीव कुमार मोहन्ता (आ- I) (5) अर्जन मंडल (बी.ए.-II) (6) मिलन बनछोर (शा-II) (7) तिरुमल गणेश (बी.एस.सी-I) (8) सुमित कुमार (बी.ए-I). डॉ.सी.गिरिकुमार, प्रभारी खेल सचिव, व्यायाम शिक्षा विभाग, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा इन्हें मार्गदर्शन दिया गया ।

दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता तमिलनाडु चेन्नई के सविता विश्वविद्यालय द्वारा 20 जनवरी 2016 को आयोजित किया गया था । 13 छात्रों का एक दल ने भाग लिया । प्रतिभागी थे - (1) डी.शिव प्रसाद बाबु (पी.एच.डी) (2) जयकृष्ण (एम.फिल) (3) सुनील कुमार शर्मा (एम.ई.डी) (4) के.दुर्गाप्रसाद (आ-II) (5) एस.महेश (आ-I) (6) बी.जनार्धन (आ-II) (7) के.वंशीकृष्णा (आ-II) (9) आर.श्रीकांत भाषा (आ-II) (10) एम.अंकि रेड्डी (आ-I) (11) मुकेश राम कुमार (बी.ए.I), अर्जुन मंडल (बी.ए.II) (13) बिक्रम साहु (बी.ए-II) वे डा.सी.गिरिकुमार प्रभारी खेल सचिव, व्यायाम शिक्षा विभाग, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति के मार्गदर्शन में भाग लिए ।

दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय शतरंज (पुरुष & महिला) प्रतियोगिता दिनांक 5 से 11 अक्टूबर 2015 तक अमृताविश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर, तमिलनाडु द्वारा आयोजित किया गया था । (1) सौम्य मंडल (पी.एच.डी) (2) अनंत पुरम महेश (आ-II) (3) पुष्पेन्द्र द्विवेदी (4) अलाजन्गो गणेश (बीएड) (5) दासरी प्रसाद राव (बीएड) (6) एम.कृष्णाराव (शा-III) प्रतिभागी थे । डॉ.सी.गिरिकुमार, प्रभारी खेल सचिव, व्यायाम शिक्षा विभाग, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा इन्हें मार्गदर्शन दिया गया ।

(आ) राष्ट्रिय सेवा योजना :-

विद्यापीठ के एन एस एस कार्यक्रमों को छात्रों के प्रति निःस्वार्थ सेवा के प्रति ऊर्जा को बढाने कि उद्देश्य से कर रहे हैं । विद्यापीठ में पाँच एन एस एस इकाइयाँ हैं चार लडकों के लिए और तीन लडकियों के लिए, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम वर्ष 2015-16 के लिए विद्यापीठ के छात्रों के नामांकन के साथ शुरू किया जाता है । सभी कार्यक्रमों को स्वयं सेवकों के द्वारा आयोजित किया गया । प्रत्येक इकाई के लिए 100 स्वयं सेवकों को वर्ष 2015-16 के लिए रासेयो के अंतर्गत दर्ज किया गया । इस प्रकार विद्यापीठ ने रासेयो के पाँच इकाइयों में 700 स्वयं सेवकों को एकत्रित किया ।

उद्देश्य - विद्यापीठ रा.से.यो.इकाइयाँ अपने सेवाओं से समाज के कई लोगों के जीवन में बदलाव लाने को प्रेरित करता हैं।

रा.से.यो. कार्यक्रम-विशेष शिबिर -

विद्यापीठ के सभी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने एक प्रकार से जादू सा बदलाव लाना चाहता है । रा.से.यो. एक ऐसा मंच है जो समाज की सेवा करता है। और कई चेहरों पर मुस्कान ला दें । समाज के लिए एक प्रकार सा त्यौहार सा निर्माण करना चाहते हैं। जहाँ पर अपनी चालाकियों को उजागर कर सकें । यह कोई आसान काम नहीं है फिर भी आगामी वर्षों के लिए विरासत में काम आ सकें ।

इकाई सं	कार्यक्रम अधिकारी	विशेष शिबिर जिन गाँवों को अपनाया	स्वयं सेवकों की संख्या
1.	डॉ. भरत भूषण रथ	पिल्लारिकोन	50
2.	डॉ. परामिता पण्डा	नेत्ताकुप्पम	50
3.	डॉ.जे.बी.चक्रवर्ती	लक्ष्मीनरसिंहपुरम	50
4.	डॉ. ए. सच्चिदानंद मूर्ति	कोटाला	50
5.	डॉ. सी. गिरिकुमार	रामिरेड्डिपल्लि	50
6.	डॉ. टी.लतामंगेश	कूचिवारिपल्लि	50
7.	डॉ. ए.सुनीता	नागय्यगारिपल्लि	50

सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिकूल स्थितियों को दृष्टि में रखते हुए विद्यापीठ रा.से.यो.इकाइयों ने चित्तूर जिला के उपरोक्त पिछडे गाँवों में जागरुकता लाने हेतु चुना था। रा.से.यो.लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने 7 दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया । पहले तीन विशेष शिबिर दिनांक 12 से 18 मार्च तक चलाया गया। अगले दो इकाइयाँ अर्थात् 4,5,6 और 7 वीं इकाइयाँ दिनांक 25 मार्च, 2016 से 31 मार्च 2016 तक विशेष शिबिर चलाया गया। रा.से.यो.के संयोजक और कार्यक्रम अधिकारियों के नतृत्व में शिबिरों को प्रभावपूर्ण ढंग से आयोजित किया था । निम्न योजनाओं द्वारा चुने हुए गाँवों में विकास लाया ।

सर्वे - रा.से.यो. के संयोजनाधिकारी के आदेशानुसार सभी छात्र सदस्यों को गाँव में घूमकर मुफ्त सर्वे किया गया। एक-एक घर जाकर उनको सरदार द्वारा प्राप्त सुविधाएँ, शिक्षा व्यवस्था, गैर सरकारी सुविधा आदि की जानकारि और आरोग्य संबधि जानकारी भी ली गई थी। उसके बाद हम अपनी ओर से कुछ बदलाव लाने हेतु नए विचार प्रकट करते हैं। यह सुनकर गाँव का सरपंच और विद्यालय मुख्याध्यापक सभी काफी प्रभावित हुए थे ।

श्रमदान - स्कूल और गाँव के चारों तरफ साफ सफाई की। खेल मैदान साफ कर उसका एक आकार भी दिए थे । हमने अलग-अलग तरह के 25 प्रकार पौधों का रोपन किया । स्कूल के चारों ओर बीज रोपण कर काफी सुंदर बनाया। स्कूल भवन को चूने से लेपन कर सफेद बनाया। इसके लिए स्कूली बच्चों और ग्रामीण से रा.से.यो.इकाईयों के सदस्यों की काफी प्रशंसाये प्राप्त हुई थीं।

गाँववालों से नाटक - समूह के सदस्यों ने स्कूल के वातावरण पर तेलुगु भाषा में एक नाटक का आयोजन किया। उस में महिला शिक्षा संबंधी महत्व दिया गया था । तंबाकु सेवन से होने वाली हानि, शराब लेने से होने वाली बुराई पर प्रकाश डाला। इससे गाँव वाले बहुत प्रभावित हुए। हमारे सामने गाँव वालों ने यह निर्णय लिया कि शराब और धूमपान सेवन नहीं करेंगे।

आपदा प्रबंधन -बाढ और अकाल जैसे अलग-अलग परिस्थितियों का मुकाबला करना तथा जीवन को कैसे बचाया जाए, इस पर एक उपयोगी व्याख्यान दिया गया। झूठी परिस्थितियों में कर्तव्यों का बोध करवाया गया। विविध आधुनिक और जीवत तकनीकों से गाँववालों को गतिविधियों का संचालन करना सिखाया ।

साक्षारता कार्यक्रम -रा.से.यो.स्वयं सेवकों ने गाँवों में घूमकर स्कूल आयु के बच्चों और उनके अभिभावकों को एक स्थान पर एकत्रित किया। उनको बालाश्रम द्वारा होने वाली हानियाँ और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया।

बच्चों के माता-पिता ने व्याख्यानों से प्रभावित होकर बच्चों को पास वाले स्कूल में भर्ती करवाया। यह एक मुश्किल काम था। लेकिन हम ने इसे आसान तरीके से पूरा किया ।

संस्कृति और जागरूकता कार्यक्रम :

इस वर्ष विद्यापीठ ने ग्रामीणों को नए विचारों से उत्तेजित की सोच से व्याख्यानों करने और भारतीय विरासत तथा संस्कृति पर नाटक जैसे पुराणों का प्रवचन, सनातन धर्म में सांप्रदायिक सद्भाव को अपनाया ।

स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों में ए.आई.डी.एस. और उसकी जटिलताओं, नियंत्रित करने के लिए इस खतरनाक प्रभावित सिंड्रोम से सावधानी से जीवन व्यतीत करने की जागरूकता का सर्वश्रेष्ठ तरीकों से प्रयास की ।

पर्यावरण जागरुकता -

* ग्रमामीणों को पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया गया ।
* शौचालय उपयोग और उन्हे एवं घर और परिस प्रांतो को साफ सुथरे तरीके से रखने में अभ्यसिव करना ।
* गाँवों में मंदिरों को साफ करने चूने से लेपन कर सफेद बनाया तथा मंदिरों को एक नया रूप दिया ।
* बच्चों के लिए 'संस्कत पढो' शिबिर कार्यक्रम का आयोजन किया ।
* दूसरी ओर कार्यक्रम अधिकारियों और सदस्यों ने गाँव वालों को धर्म और मूल्य प्रणाली तथा संरक्षण पर व्याख्यान दिए। इसके लिए सभी की ओर से रा.से.यो.इकाइयों को अच्छी प्रशंसा प्राप्त हुई ।

एक दिन शिबिर -

एक दिन शिबिर कार्यक्रम भी रा.सं.वि.परिसर प्रांत में आयोजित की जाती है । 45 एकड भूमि पर विभिन्न इमारतों जैसे पुस्तकालय, शैक्षिकभवन, छात्रावास, प्रशासनिक भवनों का निर्माण किया गया । एक बडा मैदान भी है जिसमें नियमित से रा.से.यो कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इन इकाइयों ने पुस्तकालय परिसर प्रांत में स्वच्छता एवं हरा भरा पौधों का रोपण करवाया । इन इकाइयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम सूचीबद्ध है -

कंकडे और पत्थरों को निकालकर बैडमिंटन, वॉलीबाल, और खो खो मैदान को समतल बनाया तथा क्रिकेट पिच को सीधा किया ।

स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम

मानव संसाधन उन्नति मंत्रालय और युवा मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन के अनुसार आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2019 तक भारत को स्वच्छ बनाना चाहते हैं। जाति पिता श्री गाँधीजी के स्वप्नों को साकार बनाने के लिए उनका 150 वॉ जन्म दिन के सुअवसर पर विद्यापीठ एन.एस.एस इकाई ने इस कार्यक्रम का आयोजन साल भर के लिए किया । विद्यापीठ के सभी नौकरी करनेवाले अपने काम करने की जगह को साफ रखे । विद्यापीठ के प्रांगण को स्वच्छ बनाने के लिए अन्य वाहनों को न प्रवेश करे । संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में शिक्षकों का भाग लेना।

संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में शिक्षकों ने भाग लिए -

आचार्य एस.एसमूर्ति :

(1) वे संपादन काम माड्यूल प्रायोजितर में उपस्थित हुए । यह यू.जी.सी, नई दिल्ली के द्वारा हैदराबाद के पास दि.24.07.2015 से 03.08.2015 आयोजित किया गया ।

(2) हैदराबाद 30.01.2016 से 09.02.2016 दिनांक को ए.वि.माड्यूल रचनात्मक ई-पीजी पाठशाला परियोजना विंग्स और पतावार मीडिया में उपस्थित हुए ।

आचार्य आर.एल.नरसिंह शास्त्री

(1) सच्चिदानंद शास्त्र सभा में प्रो.आर.एल.नरसिंह शास्त्री उपस्थित हुए। इसका आयोजन जगद्गुरु शंकराचार्य श्री.श्री.श्री स्वरूपानंदेन्द्र सरस्वती महास्वामी ने विशाखा श्री शारदापीठम, पेन्दूर्ती के नेतृत्व में तारीख 07.02.2016 से 19.02.2016 तक हुआ ।

(2) "पारायण" में उपस्थित होकर अपना भाषण श्री वेंकटेश्वर वेद शास्त्र आगम विद्वत सदस में दिए । यह सभा तिरुमला 9.02.2016 तारीख को एस.वि.वेद विज्ञानपीठम्, धर्मगिरी ने आयोजित किया ।

(3) वे विषय निपुण के रूप में चुनाव कमिटी में उपस्थित हुए । यह कैरीर उन्नति योजना अध्यापकों के लिए कविकुल गुरु कालिदास संस्कृति विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर - 27.01.2016 से 28.01.2016 तक चलाया गया ।

आचार्य जे.रामकृष्णा

(1) वे राष्ट्रीय संस्कृति संस्थान, नई दिल्ली (तारीख 16.06.2015 से 18.06.2015 तक) अंश कालिका, अतिथि अध्यापकों की नियुक्ति के लिए चुनाव कमिटि में भाग लिए ।

(2) हैदराबाद 24.07.2015 से 03.08.2015 तक यू.जि.सी, नई दिल्ली के द्वारा आयोजित किया गया एडिटिंग काम ई-पीजी पाठशाला माड्यूल प्रायोजित में भाग लिए ।

(3) ए.वि.माड्यूल सृजनात्मकता का ई-पीजी पाठशाला परियोजना, विंग्स और पतावार मीडीया, हैदराबाद तारीख 30.01.2016 से 09.02.2016 तक वे इस में भाग लिए ।

आचार्य ए. श्रीपादा भट्ट

(1) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली 15.06.2015 से 17.05.2015 तक अनुबंध, अंश कालिक, अतिथि अध्यापकों के चयन के लिए वे चुनाव कमिटी में भाग लिए ।

(2) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली 09.09.2015 से 11.09.2015 तारीख को असिस्टेंट प्रोफेसर (ज्योतिष्य) प्रोफेसर (सि.ए.एस) ज्योतिष्य पद नियुक्ति केलिए उन्होंने मुख्यकार्यालय के चुनाव कमिटी में भाग लिए ।

(3) वे ज्योतिष्य शास्त्र पर राष्ट्रीय संगोष्टी में भाग लिए । यह संगोष्ठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मुंबाई के द्वारा 19.01.2016 से 20.10.2016 तारीख को आयोजित किया गया ।

आचार्य वि. उन्निकृष्णन नमपियात्री

(1) उन्होंने केरला यूनिवर्सिटी, तिरुवनंतपुरम में गोपनीय परीक्षा काम में 26.11.2015 से 27.11.2015 तक उपस्थित हुए ।

(2) उन्होंने केरला विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम में गोपनीय परीक्षा काम में 17.02.2016 से 19.02.2016 तक उपस्थित हुए ।

डॉ. सीतान्सुभूषन पंडा

(1) "योग और जीवनशैली" पर अंतराष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर ओडिसा तारीख को 04.02.2016 से 07.02.2016 तक उपस्थित हुए। उन्होंने यज्ञवाल्क्यासमाट्य योगतत्त्वविचार पर प्रपत्र को समर्पित किया ।

डा. निरंजन मिश्रा

(1)" सामाजिक सांस्कृतिक निहितार्थ नवकलेवर श्री जगन्नाथ" विषय पर द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ओडिसा अध्यक्ष, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति, साहित्य विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार, पुरी ओडिसा के सहयोग से 16.07.2015 - 17.07.2015 मनाया गया। वे इस संगोष्ठी में उपस्थित हुए ।

(2) श्री जगन्नाथ संस्कृति में रथ यात्रा का प्रत्यक्ष प्रसार कलरस टी.वी.पूरी, ओडिसा के द्वारा 27.07.2015 से 30.07.2015 हुआ । उन्होंने आध्यात्मिक भाषण दिया ।

(3) 09.09.2015 से 11.09.2015 केलिए अध्यक्ष के कार्यालय पी.जी.कौन्सल, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पूरी, ओडिशा में वे गोपनीय काम में भाग लिए ।

(4) श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेद विज्ञान पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, तिरुपित में 19.11.2015 को हुआ। इस में वे भाग लेकर वेद "वृक्षविज्ञानम" पर प्रपत्र को प्रस्तुत किए ।

(5) वे योग और जीवन शैली प्रबंधन पर अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए। पी.जी.संस्कृत उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के द्वारा 04.02.2016 से 07.02.2016 तक इसका आयोजन किया गया । वे "यजुर्वेद योगशास्त्रीय - तत्वविमर्श" पर अपना प्रपत्र को समर्पित किए ।

आचार्य आर.जे.रमा श्री

(1) प्रयोगशाला परीक्ष एम.एस.सी I & III सेमेस्टर के लिए विक्रमसिंहपुरी विश्वविद्यालय पी.जी.परीक्षा केन्द्र 11.02.2016, कावली में आयोजित किए। उन्हों ने इस में भाग लिए ।

डॉ.श्रीधर

(1) वे अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, गणतीय विज्ञान विभाग में भाग लिया । इसका आयोजन गणित विज्ञान (ICM-2015), श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय ने तिरुपति में 13.07.2015 से 15.07.2015 तक किया । वे एक 'वेब खनन' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

(2) दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिए । यह सम्मेलन कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी (ICICSIT-2015) पर चला । यह महात्मा गाँधी संस्थान हैदराबाद में 28.08.2015 से 29.08.2015 तक चला ।

(3) वर्ष 2015-16 द्रविड विश्वविद्यालय में शैक्षनिक सलाहकार की भर्ती के लिए एक विशेष सदस्य के रूप में चयन समिति की बैठक में 08.12.2015 तारीख को भाग लिया ।

(4) एम सी ए 5 सेमिस्टर व्यवहारिक परीक्षा का आयोजन विक्रमसिंहपूरी यूनिवर्सिटी कॉलेज और उससे संबद्ध कालेजों, नेल्लूर में दिनांक 08.02.2016 को किया ।

डॉ. ए.चंदूलाल

(1) वे गणित विज्ञान विभाग में आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। गणित विज्ञान (ICMS-2015) श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति 13.07.2015 से 15.07.2015 वे सूक्ष्म Isotropic और कुछ विशेष मामलों पर अपना प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

(2) गणित विभाग में आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । गणित, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, 26.11.2015 से 28.11.2015 को सूक्ष्म Isotropic और कुछ मामलों में अपने प्रपत्र को प्रस्तुत की है ।

आचार्य एम.एल.एन.मूर्ति

(1) श्री सुब्रभारती संस्कृत और सांस्कृतिक फांउडेशन, 9, सी मुख्य बीडब्ल्यूएसएसबी के पास पानी की टंकी, सेवा रोड, ब्लॉक HRBR लेआउट, 29.06.2015 पर बंगलौर में विद्वानों कार्यक्रम में भागलिया।

(2) वेदांत चिंथन संगोष्ठी में भाग लिया । यह वेदांत भारती, के.आर.नगर तालूक, मैसूर में 30.07.2015 से 08.06.2015 तक आयोजित किया गया ।

(3)राष्ट्रीय संगोष्ठी श्रीमद् भागवत्गीता पर 09.09.2015 - 10.09.2015 दिनांक ओरियन्टल शोध संस्थान, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में भाग लिए ।

डॉ. के.गणपति भट्ट

(1) वे अधिरुद्रा महायज्ञ में भाग लेकर प्रक्रिया और श्रृत शास्त्र पर अपना प्रपत्र प्रस्तुत किए । यह अखिल भारतीय पंडितों कल्याण ट्रस्ट नं. 28, रंगनाथन स्ट्रीट, टी.नगर, चेन्नई, तमिलनाडु में 09.09.2015 को आयोजित किया गया ।

(2) 04.01.2016 से 06.01.2016 दिनांक को भगवद्गीता पर अपना भाषण दिए । यह स्वच्छ भारत अभियान, कीर्ति डेवलपर्स पूणे द्वारा आयोजित किया ।

(3) राष्ट्रीय संगोष्ठी कन्नड पाणिनीयम का सर्वशास्त्रोपकारकम में भाग लेकर और प्रपत्र कन्नडम पाणिनीयम का सर्वशास्त्रोपकारकम को समर्पित किए। यह संस्कृत, न्याय, संस्कृत महाविद्यालय सरकार, त्रिपुनिथुरा द्वारा 14.10.2015-15.10.2015 को आयोजित किया गया ।

डॉ. विश्वनाथ

(1) राष्ट्रीय सम्मेलन "शास्त्र पर पेनदूर्ति विशाखपट्टणम में विशाखा श्री शारदा पीठम के वार्षिक समारोह के अवसर पर प्रपत्र "अंशादीदकरनम" प्रस्तुत किया है । ब्रह्मलीना के अवसर पर सी.हेच.अनंतपद्मनाभ शास्त्री शतजंयती उत्सव, राजमंड्र 17 से 19 फरवरी 2016 को तक्षाधिकरणम(Takshadhikaranam) पर प्रपत्र प्रस्तुत किए ।

आचार्य नरसिंहाचार्य पुरोहित

(1) चातुरमास ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम में भाग लेकर, इस अवसर पर एक विशेष व्याख्यान दिया। यह श्री गुरुसार्वभौमा संस्कृत विद्यापीठ, श्री राघवेन्द्र स्वामी मठ, मंत्रालय कर्नूल जिले आं.प्र. में 18.08.2015-19.08.2015 के द्वारा आयोजित किया गया ।

(2) श्री गुरुसार्वभौमा संस्कृत विद्यापीठ, श्री राघवेंद्र स्वामी मठ मंत्रालय, करनूल, आं.प्र. 31.08.2015 से 03.09.2015 के द्वारा आयोजित किया गया । द्वैताद्वैतवेदांत कार्यशाला श्री राघवेन्द्र तीर्थ 344 आराधना के दौरान वे एक विशेष व्याख्यान दिए ।

आचार्य नारायण

(1) श्री जयतीर्था आराधना महोत्सवम दास साहित्य परियोजना, तिरुमल तिरुपति देवस्थानम 27.07.2015 से 30.07.2015 के द्वारा आयोजित श्री न्यायसुधा कार्यशाला में भाग लिए ।

(2) राष्ट्रीय संगोष्ठी संस्कृत उन्नति योजना अगले डिकेट पर वे अपना प्रपत्र "" संख्या योगशास्त्रों नृत्यानुयोजना" में प्रस्तुत किए । यह पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम, कतरीगुप्पा मैन रोड, श्री कृष्ण मठ, बेंगलूर - 28, उडुपी दि.08.02.2016 द्वारा आयोजित किया गया ।

(3) एस.एल.बि.एस.आर.एस विद्यापीठ के द्वारा आयोजित ई-पीजी पाठशाला परियोजना के एम.ए.(संस्कृत) की वीडियों रिकार्डिंग में भाग लिया। नई दिल्ली 03.10.2015 से 16.10.2015 तक हुआ ।

प्रो.वी.एस.विष्णुभट्टाचार्युलु

वैखानसागम के लिए श्री वेंकटेश्वर वेद शास्त्र आगम विद्वत सदस में एक परीक्षक के रूप में भाग लिए । यह एस.वि.वेद विज्ञान पीठम, धर्मगिरि, तिरुमला 27.02.2016 से 03.03.2016 के द्वारा आयोजित किया गया ।

डॉ.डि.ज्योति

श्रीमद भगवद्गीता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और" मानव अस्तित्व की पीछे त्रिगुणास की भूमिका" पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया । यह श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय ओ.आर.ऐ, तिरुपति में 09.09.2015 से 11.09.2015 तक आयोजित किया गया ।

प्रोफेसर एस.सुदर्शन शर्मा

(1) तीन दिन संगोष्टी रसा थ्योरी में भाग लिया । यह संस्कृत सम्मेलन भावनगर, गुजरात के द्वारा तारीख 15.09.2015 से 18.09.2015 तक आयोजित किया गया ।

(2) चयन समिति सदस्य के रूप में भाग लिए । यह कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक के द्वारा 27.01.2016 आयोजित किया गया ।

प्रो. सत्यनारायण आचार्य

(1) 27.07.2015 से 30.07.2015 तक संबलपुर विश्वविद्यालय ज्योति विहार, बिर्ला, ओडिशा के द्वारा आयोजित ओपन चिरायु परीक्षा के लिए परीक्षकों के एक सदस्य के रूप में भाग लिया ।

(2) एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप डाक्टरेट की समिति की बैठक में भाग लिए । यह संस्कृत विभाग और भारतीय संस्कृति, श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्वविद्यालय, एनातुर, कांचीपुरम के द्वारा 13.08.2015 दिनांक को आयोजित किया गया ।

(3) तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शब्दशक्ति विमर्श में भाग लेकर वे सत्रसंयोजक रूपेना Samupasthayam na ca sabdah skhaladhatih पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया । यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान सदाशिव कैम्पस, पुरी उडीसा के द्वारा आयोजित किया और एक संगोष्ठी में भाग लेकर संस्कृत ढेंकनाल आटानमस कालेज में कैरियर परामर्श पर एक भाषण दिया, ढेंकनाल, ओडिशा 10.09.2015 से 12.09.2015 इसका आयोजन किया गया ।

(4) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में विद्यावारिधी मौखिक गोपनीय काम में भाग लिए और मध्ययगीन पञ्चशाखा साहित्य में श्री जगन्नाथ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी श्री नीलाचल तत्वसंधान परिषद, पुरी, उडीसा द्वारा आयोजित तारीख को 19.08.2015 से 21.08.2015 वे अपना प्रपत्र साहित्य में जगन्नाथ विषय पर समर्पित किए ।

(5) राष्ट्रीय संगोष्ठी भारत सहिष्णुता और राजधर्म का प्रतीक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पूरी द्वारा 17.12.2015 से 23.12.2015 द्वारा आयोजित है ।

(6) राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रोफेसर अब्दुल कलाम के स्मृति में माघ के शिशुपाल वध में भाग लेकर वे अपने प्रपत्र शिशुपालवध शब्दसौष्टवम को समर्पित किया । यह एस.एल.बि.एस.आर.एस.विद्यापीठ, नई दिल्ली को द्वारा तारीख 11.02.2016 - 12.02.2016 को आयोजित किया गया ।

(7) राष्ट्रीय संगोष्ठी योग और जीवन शैली में भाग लेकर योगशास्त्र्योपादेयता विषय पर प्रपत्र को समर्पित किया। यह संस्कृत, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के द्वारा 04.02.2016 से 07.02.2016 आयोजित किया गया ।

(8) यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आदर्श शासन की अवधारणा कौटिल्यास अर्थशास्त्र में भाग लेकर एक प्रपत्र कौटिल्य अर्थशास्त्र नागरिक प्रनिधी को प्रस्तुत किया । यह संस्कृत रावेनशा विश्वविद्यालय

कटक, ओडिशा के पी.जी.विभाग के द्वारा आयोजित और दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला भारतीय दर्शनेषु तत्वमीमांसा में भाग लेकर नैषदीय चरित भारतीय दर्शन तत्वनी पर प्रपत्र को समर्पित किया । यह सर्व दर्शन, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी के द्वारा21.01.2016-22.01.2016 आयोजित है ।

डॉ. रानी सदाशिवमूर्ति

(1) डॉ. रानी सदाशिवमूर्ति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद 2 जुलाई, 2015 में एक बाहरी सदस्य के रूप में एक चिरायु दर्नी परीक्षा आयोजित किया ।

(2) तीन दिन के राष्ट्रीय कार्यशाला संस्कृत में क्रियेटिव लेखन, केन्द्र द्वारा आयोजित वेदांत अध्ययन केरल विश्वविद्यालय, कार्यवट्टम, तिरुवनंतपुरम 18.02.2016 से 20.02.2016 में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिए ।

(3) द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कला साहित्य और भगवान परशुराम में भाग लेकर महाकाव्यों में परशुराम और पुराणों वंश परिप्रेक्ष्य पर प्रपत्र को समर्पित किया । यह श्री सुदर्शन नरसिंह क्षेत्र, विजयनगर, मैसूर और पुरातत्व, संग्रहालय विभाग और कर्नाटक की विरासत सरकार, कर्नाटक प्रदर्शनी प्राधिकरण परिसर, मैसूर द्वारा 01.03.2016-02.03.2016 आयोजित किया गया ।

डॉ. सी.रंगनाथन

(1) 25.06.2015, भारतीय विद्या भवन और श्रील प्रभुपाद के इस्कान, बैंगलोर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर, महापुराणास का संदेश पर प्रपत्र को समर्पित किए ।

(2) एक दिन राष्ट्रीय श्री भाष्यां विद्वत्सदस वेदांत ववदुका श्री नारायणाचार्या स्वामी ट्रस्ट, श्री अहोबिलामठ, त्रिपलीकेन , चेन्नई द्वारा 28.07.2015 को आयोजित किया गया । वे इस में भाग लिए और अधिकरनम, अत्राधिकरणम पर भाषण दिया ।

(3) राष्ट्रीय संगोष्ठी "श्रीमद भगवद्गीता" का आयोजन ओरिएंटल अनुसंधान संस्थान, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति के द्वारा दि.09.09.2015 से 11.09.2015 किया गया । इस में वे भाग लेकर भगवद्गीतायाम काव्यतत्त्वानी पर प्रपत्र को प्रस्तुत किए ।

(4) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली वेदव्यास परिसर, बलहर, कांगडा (हिमाचल प्रदेश) 02.11.2015 -03.11.2015 द्वारा आयोजित युवा महोत्सव में (शैक्षिक) एक न्यायाधीश के रूप में भाग लिए ।

डॉ. के.राजगोपालन

(1) श्रीमद् भगवद्गीता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर दुग्धम गिलामृतं महत पर प्रपत्र को प्रस्तुत किए । यह ओरिएंटल रिसर्च संस्थान, एस.वि.विश्वविद्यालय, तिरुपति के द्वारा 09.09.2015 से 11.09.2015 आयोजित किया गया ।

डॉ. भरतभूषण रथ

(1) तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शब्दशक्तिविमर्श में भाग लेकर अपने प्रपत्र संकेतितार्थाः को समर्पित किए, यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, सदाशिव परिसर, पूरी, ओडिशा के द्वारा दि.09.09.2015 से 14.09.2015 आयोजित है ।

डॉ. जे.बि.चक्रवर्ती

(1) पवित्र नदियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और श्री कंदकूरी वीरेशलिंगम आस्तिक कालेज में संस्कृति और सभ्यता पर उनके प्रभाव राजमंड्री के पास 30.06.2015-01.07.2015 आयोजित संगोष्ठी में भाग लिए ।

डॉ. श्वेतपद्म शतपथी

(1) तीन दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी शब्दशक्ति विमर्शा में भाग लेकर अपने प्रपत्र भिन्नोस्पिधेयतो व्यङ्ग्यः को प्रस्तुत किए । यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, पूरी, ओडिसा द्वारा दिनांक 09.09.2015 से 11.09.2015 आयोजित है ।

(2) सहिष्णुता, राजधर्मा और महाभारत शास्त्रगतातत्व विमर्श पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए यह निर्माल्य, पूरी, धर्मशास्त्र, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पूरि और पुराणेतिहास, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री सदाशिव परिसर, पूरी द्वारा 17.12.2015 से 24.12.2015 आयोजित है ।

(3) 12.10.2015 से 14.10.2015 को संस्कृत चितलो महाविद्यालय, बिरजाक्षेत्र, चितलो, जयपुर, ओडिशा के द्वारा आयोजित और प्रस्तुत समाज में संस्कृति गिरवट के समय में संस्कृत साहित्य के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर भरतस्य प्रतिष्ठा द्वे संस्कृतम संस्कृतिस्तथा पर प्रपत्र को समर्पित किए ।

(4) 05.01.2016 से 07.01.2016, राष्ट्रीय युवा इन्टग्रेटड केन्द्र पूरी और राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान प्रोत्साहित, श्री सदाशिव परिसर पूरी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी वैदिक साहित्य में महिलाओं के संस्कृत विद्वानों को भूमिका में भाग लेकर अपने प्रपत्र वैदिकी ऋषिका आपला पर प्रस्तुत किए ।

डॉ. परमित पांडा

(1) पुराणेतिहास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और भागवते अहिष्णतत्त्वविमर्श पर प्रपत्र समर्पित किया । यह 18.01.2016 से 22.01.2016 दिनांक को पुराणेतिहास, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पूरी द्वारा आयोजित है ।

(2) योग और जीवन शैली प्रबंधन पर अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर श्री मद्भागवत योगतत्त्वालोचन पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया । यह 04.02.2016 से 07.02.2016 तक संस्कृत, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ओडिशा के द्वारा आयोजित है ।

डॉ. डि. नल्लन्ना

(1) चित्तूर जिल्ला वैभव पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त रूप से 05.08.2015 पर अध्ययन विभाग और तेलुगु में अनुसंधान केएसओयु, मुक्तगंगोत्री, मैसूर और सार्वभौमिक शिक्षा के विश्वदीप्ति कालेज चित्तूर द्वारा आयोजित है ।

(2) 22.02.2016 दिनांक तेलुगु विभाग, वि.एस. विश्वविद्यालय, नेल्लूर द्वारा आयोजित गुरुजाडा साहिती समालोचना पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए ।

डॉ. विरूपाक्षा वी. जड्डीपाल

(1) नई दिल्ली, मनुस्किप्ट के राष्ट्रीय मिशन 21.09.2015-22.09.2015 द्वारा आयोजित मानुस्क्रिप्टालिजिस्ट की बैठक में भाग लिए ।

(2) कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार 08.02.2016 से 15.02.2016 में एक एन ए ए सी (NAAC) सहकर्मी टीम के सदस्य के रूप में भाग लिए ।

(3) शारदा विशिष्टा व्याख्यानमाला श्रृंखला राजीव गाँधी परिसर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्रृंगेरी के अवसर पर 10.11.2016-20.01.2016 विस्तार से व्याख्यान दिए ।

(4) नाट्य शास्त्र मार्गी और देशी परंपराओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए वे अपने प्रपत्र को नाट्यशास्त्र और यक्षगानम पर प्रस्तुत किए। यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर, पुर्णात्तुकुरा, केरल द्वारा 29.02.2016 से 02.03.2016 आयोजित है ।

प्रोफेसर वि.मुरलीधर शर्मा

(1) चिन्मय विश्वविद्यापीठ चिन्मय, इंटरनेशनल फांउडेशन, वेलिन्याड, केरल 26.02.2016 के द्वारा आयोजित दो दिन के शैक्षिक नियोजन कार्यशाला में भाग लिए ।

(2) नई दिल्ली 15.02.2016 से 17.02.2016 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, 56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली के द्वारा आयोजित शैक्षणिक परिषद की उप समिति की बैठक में भाग लिए।

प्रो.प्रह्लाद आर.जोशी

(1) 24.08.2015 से 28.08.2015 राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, अगरताल, त्रिपुरा की ओर से आयोजित एक संसाधन व्यक्ति के रूप में उन्मुखीकरण का कार्यक्रम में भाग लिए ।

श्री पी.नगमुनी रेड्डी

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पूरि के द्वारा 02.11.2015 से 05.11.2015 आयोजित शोध प्रवधी और पाण्डुलिपि विज्ञान कार्यशाला के पाठ्यक्रम के काम में भाग लिए ।

डॉ. ए.सच्चिदानंद मूर्ति

(1) संस्कृत और शिक्षा एक व्यापक परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर मूल्यसंरक्षकः संस्कृताध्यापिकः विषय पर प्रपत्र को समर्पित किए । यह शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरवायुर कैम्पस, पुर्णात्तुकुरा, त्रिशूर केरला के द्वारा 11.02.2016-12.02.2016 आयोजित है ।

(2) शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर अपने प्रपत्र प्रसन्नकरनाप्रेरक वैविध्यकौसल्य वैशिष्यम पर प्रस्तुत किए । यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, के.जे.सौम्य संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई के द्वारा 18.01.2016 से 20.01.2016 आयोजित है ।

डॉ. सोमनाथ दास

पूरी 17.12.2015 से 24.12.2015 तक राजधर्म और राष्ट्रीय संगोष्ठी, महाभारत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए । यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पूरी द्वारा आयोजित है ।

डॉ. टी. लता मंगेश

(1) दिनांक 29.10.2015 से 15.11.2015 तक एच आरडी ए, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग ली ।

(2) दिनांक 27 से 29 जनवरी, 2016 तक धर्मशास्त्र विभाग, आर.एस.विद्यापीठ आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर महाभारत काव्य में वर्णित युधिष्ठिर कि धर्म परायाणता पर प्रपत्र वाचन किया ।

(3) दिनांक 4 और 5 फरवरी, 2016 को श्री वेंकटेश्वर प्राच्यकलाशाला संगोष्ठी में भाग लेकर रामतत्त्व पर प्रपत्र वाचन किया ।

(4) आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर तुलसी के रामचरितमानस में वर्णित रामतत्त्व पर प्रपत्र वाचन किया ।

(5) दिनांक 25 और 26 मार्च, 2016 को मध्य युगीन भक्ति साहित्यः दार्शनिकता और प्रासंगिकता पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया ।

डॉ. सि गिरिकुमार

(1) 18-23 जून तक 2015, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय गुंटूर में एक फील्ड परीक्षक के रूप में काम किया । PECET-2015 (शारीरिक शिक्षा कामन एंट्रेंस टेस्ट)

(2) साउथ जोन इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक मीट (महीलाओं और पुरुषों) 2015-16 के लिए आंध्र विश्वविद्यालय विशाखापट्टणम में आयोजित 22 से 28 अक्तूबर, 2015 के लिए एक प्रबंधक के रूप में काम किए ।

(3) विश्वविद्यालय शतरंज (पुरुष और महिलाओं) टोर्नमेंट 2015-16 अमृत विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर द्वारा आयोजित 5-11 नवंबर, 2015 दक्षिण क्षेत्र के लिए एक प्रबंधक के रूप में काम किया ।

(4) ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक मीट (पुरुषों और महिलाओं) 2015-16 केलिए, पंजाब यूनिवर्सिटी, पटियाला 26.12.2015 से 06.01.2016 के लिए एक प्रबंधक के रूप में काम किया।

(5) 20.01.2016 से 02.02.2016 सविता विश्वविद्यालय, चेन्नई के द्वारा आयोजित साउथ जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टोर्नमेंट के लिए एक प्रबंधक के रूप में काम किया ।

IV . विशेष कार्यक्रम

(अ) संस्कृत सप्ताह समारोह (26 अगस्त से 1 सितंबर 2015 तक) -

संस्कृत सप्ताह समारोह 26 अगस्त से 1 सितंबर, 2015 प्रभु श्री वेंकटेश्वर कृपा से पिछले वर्षों जैसे इस वर्ष में भी संस्कृत सप्ताह समारोह को बहुत धूम धाम से राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में दि.26.08.2015 में 01.09.2015 तक मनाया गया है । इस साप्ताहिक समारोह मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की विशेष सूचनाओं के अनुसार श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर मनाया गया है ।

प्रो. हरेकृष्ण शतपथि माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री श्री भानुप्रकाश रेड्डी, सदस्य, ति.ति.दे ट्रस्टबोर्ड मुख्य अतिथि के रूप में, महा महोपाध्याय श्री समुद्राल लक्ष्मणय्या मुख्य संपादक प्रकाशन विभाग ति.ति.दे. माननीय अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में भाग लिए । श्री भानुप्रकाश रेड्डी संस्कृति की महानता की प्रशंसा की ।

उन्होंने कहा कि प्राचीन ऋषि मुणियों ने संस्कृत को संपन्न बनाने में सहयोग दिया । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ की बुरी बुरी प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्कृत की सुरक्षा और प्रचार कार्यक्रम के साथ भारतीय संस्कृति की भी सुरक्षा कर रही है ।

श्री समुद्राल लक्ष्मणय्या ने भी संस्कृत की महानता के भी गुन गान किया उन्होंने कहा संस्कृत इस पृथ्वी पर देवभाषा है । संस्कृत बोलने वाले सभी इस पृथ्वी पर देवता है । उन्होंने यह बताया कि हर एक की मानसिक शान्ति आत्म विश्वास, बुधी का विकास के लिए संस्कृत सीखना चाहिए । सभा में उपस्थित सज्जनों को उन्हों ने कुछ संस्कृत श्लोक भी सुनाए ।

प्रो. हरेकृष्ण शतपथि अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं का स्रोत है । यह सभी भाषावों को सशक्त बनाता है । कुछ विदेशी भाषायें भी संस्कृत भाषा के ऋणि है । इन्होंने कहा कि संस्कृत हमारे हृदय की, बुधि की, संप्रदाय की, जनता की और संस्कृति की भाषा है । संस्कृति में लिखे हुए उपनिषध संसार को मनुष्य कि उच्चतर लक्ष्य की ओर निर्देश्य करती है । सभी संस्कृति की विध्यार्थि भाग्यवान है । उन का जीवन संपूर्ण है । संस्कृत कि प्रथम भाषा है । जो विश्व शांति और मनुष्य के सुकमैय जीवन की आशा की थी ।

डॉ. राणि सदाशिव मूर्ति निर्देशक सांस्कृतिक विभाग,आर.एस.विद्यापीठ सभी उद्घाटन समारोह सभी उच्चवों का नेतृत्व किया ।

भजना संध्या दि.26.08.2015 श्याम पहले दिन संध्या के समै कहि अध्यापक और विध्यार्थि मिलकर संस्कृत और क्षेत्रिय भाषावों में भगवान विष्णु, शिव, शक्ति, गनेश, कार्तिकेय, सरस्वति, लक्ष्मि, जगन्नादा और अन्य देवतावों की प्रशमषा करते हुए भजन और कीर्तन गाये इन रस बरे कीर्तन सभा में उपस्थित सज्जनों को आनंद और बल दिया भगवान बालाजी महाराज के पावन पद बल में स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ भजन और कीर्तनों के प्रकम्पनों से आर.एस.विद्यापीठ गूँज उठा ।

कविता गोष्ठी दि.27.08.2015 माननीय उपकुलपती प्रो.हरेकृष्ण शतपथी कविता गोष्ठी की अध्यक्षता की और जि.एस.आर.कृष्णमूर्ति श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के रिजिस्ट्रार महोदय मुख्य अतिथि के रूप में हाजिर हुए । प्रो.राधाकान्त ठाकुर प्रो.ललिता रानी, प्रो.सत्यनारायण आचार्य, डॉ. रानीसदाशिव मूर्ति, डॉ. सी. रंगनाथन, डॉ.के.राजगोपालन, डॉ. सोमनाथ दाश, डॉ.चि.नागराज, डॉ. भरत भूषण रथ, डॉ. जे.बलिचक्रवर्ति, डॉ. प्रदीप कुमार बाग और अन्य शोध विध्यार्थी नवयुग की संस्कृत कविताओं से संध्या को बहुत प्रमानपूर्ण बनाया।

शास्त्र पुराना संध्या दि.28.08.2015 – यह एक विशेष कार्यक्रम है । जिसके जरिए शास्त्र और पुरानों में अभिव्यक्त विचारों को प्रकट करने लिए पवन किया गया डॉ.ओ.जी.पि.कल्याण शास्त्री ने वेदभाष्य स्वरूपम्, नव्यशास्त्र स्वरूपम को प्रस्तुत किया और डॉ.डि.ज्योति ने सांख्य योग शास्त्र प्राशस्त्य का परिचय दिया डॉ.सोमनाथ दास ने सौन्दर्य अलंकारों नामक विषय पर भाषण दिया डॉ.एम.जि.नन्दना भट्ट ने पुराना प्रवचन पहलति से सम्बंधित साम्प्रदायिक सिद्धान्तों को प्रस्तुत किया आज के कार्यक्रम को डॉ.सोमनाथ दास ने संचालित किया ।

विद्यापीठ के छात्र के लिए प्रतियोगितायें दि. 29.08.2015 : डॉ. सच्चिदान मूर्ती और डॉ. भारत भूषण रथ संस्कृत गीत प्रतियोगिताओं का संचालन किया । तत्काल प्रस्तुत प्रतियोगिताएँ जैसे संस्कृत श्लोक अन्त्याक्षरी उपहर को मनाये गये । सभी छात्र बडे उत्साह और आनंद से प्रतियोग में भाग लिये ।

संध्या दि.29.08.2015 : डा.श्वेत पद्मा शतपथी और डा.लीन चन्द्रा नाटक और संगीत कार्य क्रमों का निर्देशन किया। विध्यार्थि भी बडे उत्साह आनंद के साथ भाग लेकर सभी श्रोताओं का मन जीत लिया ।

अन्य संस्थाओं के छात्रों को प्रतियोगिताये दि.30.08.2015 : श्लोक प्रपठन प्रतियोगिता, भाषण तथा निबन्ध प्रतियोगितायें तिरुपति में रहनेवाले अन्य संस्थाओं के विध्यार्थियों को संचालित किये गये यह कार्य क्रम सिर्फ तिरुपति के विध्यार्थियों के लिए था फिरभी आसकपास के कानिपाकम, कालहस्ती और अन्य प्रदेशों के विध्यार्थि भी इस में भाग लिये डा.प्रदीप कुमार भाग और डॉ.जे.बलि चक्रवर्ति के निर्देशन में यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ ।

संस्कृत कथा वीथिका दि. 31.08.2015 :यह विशेष कार्य क्रम डॉ.चि.नागराजु के निर्देशन में सम्पन्न हुआ । यह कार्यक्रम समाजिक लगु कथा थे समकालिन संस्कृत साहित्य से लेकर लिखना है । (17) सत्रह कहानियाँ लिखकर भागीदारों द्वारा प्रस्तुत किया गया है ।

समापन समारोह 01.09.2015 सातवाँ दिन समापन समारोह से बहुत धूम धाम से आरंभ हुआ । इस के प्रो. के.ई.देवनाथन कुलपति श्री वेंकटेश्वर वेदिक विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे इन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया प्रो.एस.सुदर्शन शर्मा संकाय प्रमुख साहित्य और संस्कृत विभाग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की इस समारोह में डा.राणि सदाशिव मूर्ति ने संस्कृत सप्ताह क रिपोर्ट प्रस्तुत किया प्रो. के.इ.देवनाथन मुख्य अति थि थे ।

प्रो. सुदर्शण शर्मा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पुरस्कार विजेताओं को बधाईयाँ दी। उन्होंने अपने भाषण में कहा की राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ हमेशा संस्कृत के क्षेत्र में अग्रणी है , समाज, देश और यहाँ तक कि पूरी दुनिया की भलाई के लिए संस्कृत सभी दिशाओं में प्रयास कर रहा है ।

आ) मातृभाषा दिवस (13 जनवरी 2016) -

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति एक प्रतिष्ठित तरीके से मातृभाषा और राष्ट्र की संस्कृतियों को बढावा देने के लिए मातृभाषा दिवस का आयोजन किया । इस अवसर पर विभिन्न भाषाओं में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। 13 जनवरी 2016 दिनांकित मानव संसाधन विकास मंत्रालय पत्र के निर्देशों के अनुसार विद्यापीठ के सक्रिय साहित्यिक परिषदों में से एक मानीजाने वाली वाग्वर्धिनी परिषद को इस कार्यक्रम का संचालन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई । संयोजक डा.नारायण और अतिरिक्त संयोजक डा. जे.बलिचक्रवर्ति एवं डा.पी.टी.जी.रंगरामानुजाचार्युलु ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया । वाग्वर्धिनी परिषद ने विद्यापीठ के छात्रों के लिए उनके अपने मातृ भाषा में तीन प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था । वे तीन प्रतियोगितायें हैं - भाषण, निबंध, गीत गायन । 178 (एकसौ अठ्हत्तर) छात्रों ने अर्थात् प्राकशास्त्री से लेकर विद्यावारधी तक अपने अपने मातृभाषाओं में भाग लिए थे । पूरे नौ भाषाओं का प्रयोग प्रतिभागियों ने किया था । वे निम्न प्रकार हैं - (1) तेलुगु (2) तमिल (3) कन्नड (4) मलयालम (5) हिंदी (6) बंगाली (7) मराठी (8) उडिया (9) ओल्चिकी

भाषण प्रतियोगिता -

सत्र - 1 स्थान - (पद्मश्री रमारंजन मुखर्जी सभाभवन)

प्रथम सत्र भाषण प्रतियोगिता दिनांक 16 फरवरी 2016 को आयोजित किया गया था । मराठी, तमिल, कन्नड और मलयालम भाषाओं में प्रतियोगिता के लिए आयोजन स्थल था पद्मश्री रमारंजन मुखर्जी सभाभवन । यह छात्रों एवं संकाय सदस्यों की बडी संख्या की उपस्थित में 10.00 बजे आरंभ किया था । 45 छात्रों ने इन भाषाओं में भाग लिया था । भाषा विशेषज्ञों ने इन प्रतियोगिताओं के न्यायधीश थे ।

आशुभाषण प्रतियोगिता -

स्थल : सेमिनार हाल - 1

दूसरे सत्र कि आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन 22.02.2016 सेमिनार हाल के शैक्षणिक भवन में किया गया है । यह प्रतियोगिता बंगला, तेलुगु, उडिया और ओलिचिक भाषाओं में किया गया है । यह कार्यक्रम भाषा के विशेषज्ञों के उपस्थित में सुबह 11 बजे शुभारंब हुआ इस में दोश के विभिन्न प्रांतों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी भी थे। 35 विध्यार्थी इस सत्र में भाग लिए ।

गीत गायन प्रतियोगिता -

गीत गायन प्रतियोगिता दूसरे दिन 26.02.2016 भारतीय भाषाओं में आयोजित किया गया था । यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे पद्मश्री रमारंजन मुखर्जी सभागार में मनाया गया है । कम से कम 50 विध्यार्थियों ने यह कार्यक्रम में भाग लेकखर अपने अपने मातृभाषाओं में गीत गायन प्रतियोगिता में भाग लिया गया है । इस अवसर पर 16 छात्रों को पुरस्कार प्राप्त हुआ है ।

मातृभाषा समारोह दिवस -

03.03.2016 मातृभाषा दिवस सुबह 9:30 एक भव्य समारोह में पद्मश्री रामारंजन मुखर्जी सभागार में मनाया गया । इस समारोह का मुख्य अतिथि प्रो. श्रीनिवास वरखेडि, संकाय प्रमुख, कर्नाटक संस्कृत विश्व

विद्यालय, बेंगलूर, में एक उल्लेखनीय भाषा विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया है । इस समारोह में प्रो.राधाकांत ठाकुर, अकादमिक डीन ने मानद अतिथि के रूप में शामिल हुए हैं ।

समारोह के अध्यक्ष प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, माननीय कुलपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने हमारी मातृभाषा के महत्वपूर्ण मूल्यों पर प्रकाश डाला।

समारोह में डॉ. नारायण, समन्वयक, वाग्वर्धिनी परिषद ने स्वागत भाषण दिया और अतिरिक्त समनव्यक डॉ.पी.टी.जी.रंगरामानुजाचार्युलु जी ने धन्यवाद भाषण दिया था । यहा समारोह में एन. एस.एस. इकाईयाँ, तुलसी दास हिन्दी परिषद, अन्नमाचार्य तेलुगु कला परिषद और म्याक्समोलर अंगरेजी क्लब के विभागों ने समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया है ।

आ) स्वतन्त्रता दिवस समारोह

विद्यापीठ में 15 अगस्त 2015 सुबह 8:15 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया इस कार्यक्रम मे कुलपति महोदय प्रो.हरेकृष्ण शतपथी जी राष्ट्रीय ध्वज फहराये और तिरंगा झंडा के बारे में उन के महत्व को बहुत सरल भावन देते हुए भारत देश के विविध स्वतंत्र नेतावों के बारे में भी कहा गया वैसे ही संस्कृत स्कोलरस की और कुछ महनत करने के लिए भी कहा गया हैं ।

इस समारोह मे प्रो.सि.उमाशंकर, रिजीस्ट्रार, प्रो.आर.के.ठाकूर, डीन अकादमिक मामलों, विविध अध्यापक डीन, अध्यापक महोदयों, गैर शिक्षण स्टाफ और छात्रों-छात्रावों ने भाग लिया गया है ।

इ) हिंदी दिवस समारोह

हिंदी दिवस 14.10.2015 समारोह विद्यापीठ में मनाया गया है । हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. टी.लतामंगेष संयोजिका की आधिकारिक भाषा समिति में स्वागत सभा कियी थी और प्रो.सि.मोहन नायुडु ने धन्यवाद प्रस्तावित किया है ।

ई) गणतन्त्र दिवस -

विद्यापीठ में 26.01.2016 सुबह 8.15 को गणतंत्र दिवस मनाया गया है । इस समारोह में उपकुलपति महोदय प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, राष्ट्रीय ध्वज को फहराया और प्रो.आर.के.ठाकुर, अकादमिक मामलों का डिन, विविद अध्यापक डिन, प्रो.सि.उमाशंकर, रिजिस्ट्रार, अध्यापक गण, गैर शिक्षण स्टाफ और छात्र-छात्रावों ने इस सभा में भाग लिया गया ।

उ) अम्बेडकर जयंती समारोह

अमीर ट्रैबुटड ने डा.बी.आर.अम्बेडकर जी के 125 जन्म दिन समारोह के अवसर पर भुगतान किया गया है। इस कार्यक्रम को 14.04.2015 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में मनाया गया है । प्रो.सी.उमाशंकर, कुलसचिव, मुख्य अतिथि और कर्मचारियों ने डा.अम्बेडकर के तस्वीर को माल्यार्पण किया था । समारोह के मुक्य अतिथि ने डा. बी.आर.अम्बेडकर द्वारा लिखित संविधान आदर्शवादी प्रकृति को दर्शाता है तथा समाज में शांति और सद्भाव स्थापित करने में सहायक होता है । इस कार्यक्रम में प्रो.एम.ए.के.सुकुमार, रेक्टार,एस.वि.विश्वविद्यालय हर किसी

को समान न्याय के लिए प्रयास करने के लिए कहा तता छात्रों से अनुरोध किया कि यह सब केवल शिक्षा, अच्छे व्यवहार और विचारों की मदद से प्राप्ति किया जा सकता है । डा.बी.आर.अम्बेडकर जयंती के अवसर पर विद्यापीठ के छात्रों के लिए भाषण, निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, समारोह के अंतिम पडाव पर विद्यापीठ के कुलसचिव द्वारा पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया ।

ऊ) 10 अखिल भारत संस्कृत छात्रों का निश्नात परीक्षा

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ आयोजित 10 अखिल भारत संस्कृ छात्रों का निश्नात परिक्षा 28 से 31 जनवरी, 2016 तक उपकुलपति प्रो.हरेकृष्ण शतपति और प्रो.सि.उमाशंकर, रिजिस्ट्रार विद्यापीठ के संपूर्ण निदेशन में संपन्न हुआ । डा. नारायना, वाग्वर्धिनी परिषद् के समन्वयक कार्यक्रम का संचालक के रूप में व्यवहार किया । डा.बलिचक्रवर्ति, डा.पि.टि.जि.रंगरामानुजाचार्युलु दोनो समन्वयक अतिरिक्त संचालक के रूप मे काम किया अनेक अध्यापक और अध्यापकेतर समितियों ने कार्यक्रम को सुचारु रूप से सम्पन्न करने मे सहयोग दिया ।

प्रो.एच.के.सुरेश आचार्य प्रांशुपाल श्रीमान मद्वसिद्धान्तप्रबोदका, स्नातका स्नातकोत्तर शिक्षा केन्द्र उडपी भागिदारों को मुख्य अतिथि रूप में आशिर्वाद दिया इस समारोह श्री नी.गोपालस्वामी (ऐ.ए.एस्) कुलाधिपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति अनुगृहित किया ।

चार दिन के इस प्रतिभा महोत्सव 2015 में निम्न संस्थान भाग लिए थे -

प्रतिभागी संस्थायाँ :

1. श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वति विश्व महाविद्यालय, एनत्तुर, काँचीपुरम्, तमिलनाडु
2. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी, कर्नाटक
3. श्री अहोबिल मठ संस्कृत कॉलेज, मधुरान्तकम।
4. एस.एम.एस.पी. संस्कृत स्नातक स्नातकोत्तर अध्ययन केन्द्रम, उडुपी, कर्नाटक
5. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बृंदावन, मथुरा, उत्तरप्रदेश ।
6. श्री राजराजेश्वरी संस्कृत महाविद्यालय, श्री सोण्डमस्वामवल्ली महासंस्थान, सोंडा
7. कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्रा
8. पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, बंगलूरु, कर्नाटक
9. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा।
10. कालियाचौक बी.के.ए. किशोर संस्कृत महाविद्यालय,पश्चिम बंगाल।
11. श्री श्रीमत संस्कृत विद्यालय, उम्मच्घी
12. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनउ परिसर, लखनउ।
13. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्रप्रदेश
14. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरवायुर परिसर, गुरवायुर।

15. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मुम्बई परिसर, मुम्बई।

16. श्री शङ्कराचार्य महाविद्यालय, कालडी

17. बसन्तो नायक शस्कल्य काला और समास विज्ञान संस्था, नागपुर

18. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, भोपाल।

19. एस.पी.रुगन्त आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

20. श्री सूर्यपुर संस्कृत महाविदद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात

21. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, आंध्रप्रदेश

दिनांक 28 जनवरी 2016 सुबह 10.00 बजे, समारोह के मुख्य अतिथि प्रो.एच.के.सुरेश आचार्य, प्राचार्य, श्रीमन मध्व सिद्धांत प्रभोधक स्नातक स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र उडुपी द्वारा उद्घाटन किया गया । अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रतियोगियों को प्रेरित किया और संस्कृत शास्त्र में छिपे गूढार्थों पर प्रकाश डाला । प्रो.हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की । वे अध्यक्षीय भाषण में प्रतिभागियों से बहुत ही प्रभावी ढंग से संस्कृत वक्तृत्व कौशल को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया । प्रो.राधाकांत ठाकुर ने प्रतिभागी दलों, निर्णनायक गणों तथा गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया । डा.नारायण वाग्वर्धिनी परिषद के संयोजक ने समारोह के लक्ष्य एवं उद्धेश्यों को बताया । प्रो.सी.उमाशंकर, कुलसचिव, आर.एस.विद्यापीठ समारोह में उपस्थित थे । डॉ.जे.बी.चक्रवर्ति, और पी.टी.जी.रंगरामानुजाचार्युलु, अतिरिक्त संयोजकों ने धन्यवाद ज्ञापित किया । समापन कार्यक्रम 31 जनवरी 2016 को आयोजित किया गया था । माननीय कुलाधिपति, श्री.एन.गोपाल स्वामी आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त), राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा को बढाया । डॉ नारायण कार्यक्रम के संयोजक ने एक विस्तृत प्रतिवेदन को प्रस्तुत किया । गणमान्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए । प्रथम पुरस्कार विजेता को स्वर्ण पदक 1000/- रुपये नकद और प्रमाण पत्र मिला । द्वितीय पुरस्कार विजेता को रजत पदक, 750/- रुपए नकद और प्रमाणपत्र दिया गया था । तृतीय पुरस्कार विजेता को कांस्य पदक, 500 रुपये, और प्रमाण पत्र दिया गया था । सांत्वना पुरस्कार के लिए 250 रुपये और प्रमाणपत्र दिया था । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति प्रो.हरेकृष्ण शतपथी ने समारोह की अध्यक्षता की । वैजयंती रोलिंग शील्ड - 2016, राजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी के छात्रों द्वारा जीता गया था । डॉ.जे.बी.चक्रवर्ती और डॉ.पी.टी.जी.रंगरामानुजाचार्युलु अतिरिक्त संयोजकों ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

ऋ) XVIII दीक्षांत समारोह:

21.04.2015 को अनुसूचित दीक्षांत समारोह को माननीय कुलाधिपति जे.बी.पट्नायकजी के अचानक निधन के कारण स्थगित कर दिया गया । 23.04.2015 को प्लाटिनम जुबली गेस्ट हाउस, आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम में इस मानद समारोह को आयोजित किया गया था। आगम पंडितो ने जो सर्व श्रेष्ठ आगम छात्रों के लिए पुरस्कार की स्थापना की है, उन्हें भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया ।

ए) वार्षिक दिवस समारोह:

वार्षिक दिवस समारोह 21.04.2015 को आयोजित किया गया था । प्रोफेसर कमलेशदत्त त्रिपाठी, ऐमेरैटस प्रोफेसर, संस्कृत अधिगम और भूविज्ञान थे । श्री पोला भास्कर, आई ए एस, संयुक्त कार्यकारी अधिकारी,

तितिदे, तिरुपति, सम्मानित अतिथि थे। डा. आर.श्रीनिवसाचार्युलु, शिवविष्णुमंदिर लिवरमोर, कालिफोरनिया, अमेरिका, सारस्वत अतिथि थे । प्रो.हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, आर.एस.विद्यापीठ, समारोह की अध्यक्षता की ।

ऐ) XIX दीक्षांत समारोह:

19 वीं दीक्षांत समारोह 1 फरवरी, 2016 को आयोजित किया गया था । बंगलौर के साहित्यिक अनुसंधान केंद्र, आयुर्वेद भारतीय संस्थान एवं एकीकृत चिकित्सा के अध्यक्ष श्री एम.ए.लक्ष्मी ताताचार्य ने दीक्षांत भाषण दिए । श्रीमान नी.गोपालस्वामी, आई.ए.एस(सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं माननीय कुलाधिपति ने समारोह की अध्यक्षता की और मानद पुरस्कारों से निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वानों को समामानित किया गया था ।

महामहोपाध्याय - (1) श्री एम.ए.लक्ष्मीताताचार (2) स्वामी तत्वाविनंदा (3) श्री के. सत्यवागीश्वर गणापाटिगल (4) श्री कोम्पल्ल सत्यनारायण वाचस्पथी वाचस्पति -(1) श्री गोपवजहाला बालसुब्रह्मण्य शास्त्री (2) प्रो.वरदाचारियर कण्णन् (3) डा.पप्पू वेणुगोपाल राव ।

ओ) वार्षिक दिवस तथा छात्रावास दिवस

वार्षिक दिवस तथा छात्रावास दिवस समारोह दिनांक 02.02.2016 और 03.02.2016 को क्रमशः आयोजित किए थे ।

औ) गण्यमान्यों की भेंट :

कई गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों, प्रख्यात संस्कृत विद्वान और देश विभिन्न भागों से शैक्षिक, प्रशासनिक, पाठ्यक्रम तथा सह पाठ्यक्रम गतिविधियों के संबंध में विश्वविद्यालय का दौरा किया ।

क) अन्नदानम परियोजना :

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के पुराने छात्र एवं शिक्षक संघ वालों ने यह निर्णय लिया कि देश के कोने-कोने से अध्ययन हेतु आए गरीब एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को विद्यापीठ के छात्रावासों में मुफ्त रूप से खाना देना। इससे उनकी पढाई के लिए मन चिंता मुक्त रहेगा। इसके अतिरिक्त रखरखाव के लिए अन्य आवर्ती अनुदान रु. 50 लाख है । करीब 2061 छात्र विद्यापीठ में देश के अलग-अलग इलाके से आए रहते हैं। तकरीबन 1573 छात्र विद्यापीठ के हॉस्टलों में रहकर इस मुफ्त खाने का उपयोग लेंगे। इस संघ के विद्वानों, प्रोफेसरों, प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अधिकारियों आदि आकर अन्नदानम् परियोजना व्यवस्था में बडे उदार मन से चावल और रूपये देने का निर्णय लिए हैं।

साथ ही तिरुमल देवस्थानम, तिरुपति ने 15 लाख रूपये का दान किया है। यह आवर्ती अनुदान बच्चों को कम खर्चे में बोजन देने के लिए दिया गया है। इस कम खर्चे का भोजन का उद्घाटन दिनांक 29 जुलाई, 2008 को माननीय कुलाधिपति जी ने किया है।

V. परियोजनाएँ

अ. पारंपरिक शास्त्रार्थ विषय के संबंध में उत्कृष्टता केंद्र

प्रस्तावना -

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, अपने आप में एक अलग पहचान रखता हैं। इस संस्था का मूल उद्देश्य देश में अच्छे व्यक्तित्व और अच्छे नागरिकों को निर्माण करना तथा शास्त्र-संस्कृति ते उनको ज्ञानार्जन करवाना साथ ही साथ उसका विकास करवाना है। यह संस्कृत भाषा सभी को एकता में जोडनेवाली एक मजबूत कडी है। इसलिए इसकी राष्ट्रीय संस्कृति चारों तरफ छलकती है।

विद्यापीठ की स्थापना आंध्रप्रेदश तिरुपति में भगवान श्री वेंकटेश्वर के छत्र छाया में सन 1961 में शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा की गयी थी। सन् 1987 में विद्यापीठ को भारत सरकार ने संस्कृत प्रचार प्रसार हेतु संपूर्ण रूप से मानित विश्वविद्यालय के नाम पर घोषित कर दिया था। विद्यापीठ ने निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों को शुरू किया है-

1. संस्कृतभाषा और साहित्य, शास्त्रों के शिक्षण
2. अनुसंधान और प्रकाशन
3. नवाचारी परियोजनाएँ
4. संग्रह और पांडुलिपियों का संरक्षण
5. विस्तार कार्यकलापों

उत्कृष्टता केंद्र के संबंध में -

सन् 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- नई दिल्ली ने विद्यापीठ में पारंपरिक शास्त्रों के अंतर्गत संस्कृत भाषा का अध्ययन-अध्यापन एवं प्रचार-प्रसार हेतु उत्कृष्टा केंद्र की अनुमति दी गई थी। इसके संबंध में ३ करोड मंजूर की गई और उसके अंतर्गत शास्त्रार्थ संबंध में कई परियोजनायाँ का आरंभ राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में किया गया है।

उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत कई परियोजनाएँ चलाई जा रही हैं, वे सभी काफी महत्वपूर्ण कार्यों में अपना काम जारी रखे हुये हैं। इस योजना के अंतर्गत 13 कार्यक्रमों को लागू किया गया। यह कार्यक्रम तेजी से लुप्त होती पारंपरिक संस्कृत सीखने को अतः पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से, तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए संस्कृत शिक्षण/अध्ययन प्रक्रिया पांडुलिपि उपकरण आदि बनाने के लिए किया गया है।

पारंपरिक शास्त्रार्थ विषय से संबंधित में उत्कृष्टता केंद्र

चरण - II

दूसरा और तीसरा हप्ता अगस्त 2007 में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के उत्कृष्टता केंद्र के पारंपरिक शास्त्रों संबंध में जांच- पडताल समिति ने निरीक्षण कर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सूचित करते ही वह उत्कृष्टता केंद्र के

अंतर्गत ग्यारह वी योजना में 3.00 करोड रुपये की मंजूरी दी है। इस परियोजना की कार्य-सूची निम्न है। संबंधित पत्र संख्या 18/2002 (एन.एस./पी.ई) दिनांक 8 अक्तूबर, 2008.

प्राप्त परियोजना

1. शास्त्रवारिधि
2. प्रकाशन
3. आडियो और विडियो प्रलेखीकरण
4. आडियो - विडियो रिकार्ड केंद्र का निर्माण
5. लिपि विकास प्रदर्शिनी
6. प्राचीन पांडुलिपि अध्ययन के ईलेक्ट्रानिक साधन
7. संस्कृत स्वयं अध्ययन कीट्स
8. प्रलेखीकरण अर्टफ्याक्ट्स
9. पांडुलिपियों का डिजिटिलैजेशन
10. योग, दबाव प्रबंध एवं हेलिंग केंद्र
11. संगोष्ठीयाँ/कार्यशालाएँ
12. कंप्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा तकनालजी में स्नातकोत्तर सेतु पाठ्यक्रम

योजना के निर्णय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस योजना संबंधित विद्यापीठ के कुलपति जी ने समस्त संकाय प्रमुखों, विभाग के अध्यक्षों, अधिकारियों, संयोजनाधिकारियों और अन्य उत्कृष्टता केंद्र से संबंधितों को कुलपति जी के अध्यक्षता में सह-समिति बैठक बुलाया गया था। माननीय कुलपति जी ने सभी सदस्यों को सराहते हुए वित्तीय वर्ष के तदत सभी प्राध्यापकों को परियोजना के लिए प्रस्ताव रख कर मंजूरी लेने के लिए बताया। उसके लिए एक एक्शन योजना भी उन्होंने तैयार की है।

आ. उत्कलपीठ :

उडिसा सरकार ने बीज अनुदान के रूप में रु. ५० लाख के साथ विद्यापीठ में उत्कल पीठ की स्थापन की गयी । भगवान जगन्नाथ के प्रकाशनों श्री चैतन्य महाप्रभु और कवि श्री जयदेव द्वारा किए गए योगदान को उजागर करने, गहन और व्यापक अनुसंधान के लिए उत्कल पीठ की स्थापना हुई थी । दिनांक १४ अक्टूबर २००० को न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ मिश्रा, भारत के पूर्व न्यायाधीश एवं केंद्रीय संस्कृत बोर्ज के अध्यक्ष ने औपचारिक रूप से उद्घाटन किया ।

उत्कल पीठ के प्रचार एवं संरक्षण हेतु उत्कल पीठ कई अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन कर रहा है ।

(1) श्री जगन्नाथ सुरक्षा वाहिनी, पुरी, हॉऊस खास, जगन्नाथ मंदिर, नईदिल्ली के सहयोग से उत्सल पीठ ने दिनांक 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय मंत्री

(स्वतंत्र होता) भारत सरकार, नईदिल्ली ने द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया । और प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की । इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में गणमान्य विद्वान और जगन्नाथ संस्कृति के प्रेमी भी भाग लिए थे । आर.एस. विद्यीपठ के प्रख्यात विद्वान, तिरुपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नईदिल्ली, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कलाकेंद्र, नई दिल्ली और श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी एवं श्री जगन्नाथ सरक्षा वाहिनी, पुरी ने भगवान जगन्ना के 12 त्योहारों पर प्रपत्र प्रस्तुत किए थे । अधिकतर विद्वान संस्कृत में प्रपत्र प्रस्तुत किए थे और कुछ अंग्रेजी में भी प्रपत्र प्रस्तुत किए थे । दो दिनों के दौरान राष्ट्रीय संगोष्ठी जो 12 महत्वपूर्ण त्योहारों का एक फोटो प्रदर्शिनी प्रदर्शित किया गया । यह माननीय मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान को बहुत प्रभावित किया था । और उन्होंने प्रदर्शिनी पर कुछ सुझाव भी दिए थे ।

(2) श्री जगन्नाथ संस्कृति पर पूरे संस्कृत कार्य का दूसरा वाल्युम उत्कलपीठ की ओर से प्रकाशन के लिए तैयार है।

(3) आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा ''सदाविशायक संग्रह'' उत्कलपीठ प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया है ।

(4) भगवान जगन्नाथ पर विशेष ग्रंथ विशेष संस्करण तैयार है ।

(5) भगवान जगन्नाथ अनुसंधान कार्य का एक ग्रंथ सूची प्रकाशन के लिए तैयार है ।

(6) उत्कल पीठ द्वारा जयदेव साहित्य का एक विशेष संस्करण प्रकाशन के लिए तैयार है ।

इ. सॉप (विशेष सहायक कार्यक्रम)

विद्यापीठ यु.जी.सी. सॉप के तहत तीन विभागों के लिए युजीसी समर्थन प्राप्त करने का अनुठा गौख प्राप्त हुआ है । वे साहित्य विभाग, शिक्षा विभाग और दर्शन विभाग है ।

(i) साहित्य विभाग :

दिनांक 1.4.2013 से 31.3.2018 की पाँच साल की अविधि के लिए डी.आर.एस. द्वितीय के लिए डी.आर.एस. (साहित्य) के उन्नयन को मंजूरी दी है । ''भरत के समय से संस्कृत काव्यशास्त्र में तकनीकी शब्दों के विश्वकोश'' । डी.आर.एस. द्वितीय सॉप है । रु. 31 लाख तथा दो प्रोजेक्ट फैलोस को दिया गया था । प्रो. सी. ललिताराणी समन्वयक और डा. के. राजगोपालन सह समन्वयक हैं ।

(ii) शिक्षा विभाग :

यु.जी.सी. विशेष सहायता काय्रक्रम (डी.आर.एस. 1) 2009-2014 यु.जी.सी. ने शिक्षा विभाग को विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत रु. 29.50 लाख तथा दो प्रोजेक्ट फेलोस को दिया गया । शिक्षा विभाग अपने कार्य, शैक्षिक उपलब्धि और व्यवहार्य क्षमता के आधार पर सॉप की मंजूरी दी गयी । अनुसंधान के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षण एवं अनुसंधान का एक संयोजन कार्य है । यह यु.जी.सी. द्वारा शिक्षा विभाग को विशेष सहायता पाँच साल की अवधि के लिए है । इस कार्यक्रम के तहत ''भाषा के विकास और सामग्री उत्पादन''

है । **यु.जी.सी. विशेष सहायता कार्यक्रम (डी.आर.एस. 2) 20015-2020** यु.जी.सी.अपनी विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस. द्वितीय के तहत विद्यीपठ के शिक्षा विभाग को रु. 97.50 लाख मंजूर किया गया । शिक्षा विभाग विकास के लिए अपने कार्य, शैक्षणिक उपलब्धि और व्यवहार्य क्षमता के आधार पर सॉप को मंजूर किया गया । शिक्षा विभाग को यह पाँच साल की अवधि के लिए किया गया । प्रो. वि.मुरलीधरशर्मा समन्वयक और प्रो.प्रह्लाद आर.जोशी सह समन्वयक हैं ।

(iii) दर्शन विभाग :

प्रतिष्ठित विशेष सहायता कार्यक्रम राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के दर्शन विभाग की मंजूरी विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी गई । गंगेश उपाध्याय की तत्व चिंतामणि पर टिप्पणियाँ और उपटीकाओं का महत्वपूर्ण सर्वेक्षण'' परियोजना शीर्षक है । प्रो. ओ.श्रीरामलाल शर्मा समन्वयक और प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु सह समन्वयक हैं । कार्य संतोष जनक है ।

ई . योगी नारेयणी परियोजना :

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने योगी नारेयणी दर्शन परियोजना को योगी नारेयणा दार्शनिक कार्यों को संस्कृत, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में अनुवाद को गोकुल एजुकेशनल फाउंडेशन, कैवारं, कर्नाटक के समझौता के साथ परियोजना को शुरू किया गया । प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु समन्वयक है । कार्य प्रगति के लिए परियोजना अध्येता की नियुक्ति के लिए आवश्यक कदम लिया गया । दिनांक 16.12.2015 को रु. 4.68 लाख (तिमाही) की परियोजना को शुरु करने के लिए प्राप्त किया गया ।

उ . ई-पी.जी. पाठशाला

स्नातकोत्तर विषयों संस्कृत (व्याकरण में आचार्य) (ई-पी.जी. पाठशाला) के लिए ई सामग्री विकास के उत्पादन के बारे में एल.आर.एफ.1-9/2013 पत्र संख्या के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मंजूर किया गया था । रु. 11.2 लाख की 16 कागजातों प्रयोजन के लिए आवंटित किया गया था । प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति, प्रोफेसर, व्याकरण विभाग को प्रधान अन्वेषक के रूप में नियुक्त किया गया था । प्रधान अन्वेषक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के बैठक में नईदिल्ली दिनांक 30.1.2015 भाग लेकर रु. 7.00 लाख को प्रथम किस्त रूप में प्राप्त किया गया था । परियोजना शुरू हो गया और सुचारू रूप से चल रहा है । प्रो. जे. रामकृष्ण और प्रो. आर.एल.एन.शास्त्री परियोजना के सह प्रधान अन्वेषक हैं ।

ई . प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएँ

1. 3 वर्ष की अवधी के लिए ''संस्कृत के बहु शब्द भाव निकालना'' शीर्षक परियोजना वि.अ.ए. द्वारा मंजूर की गई । प्रो. आर.जे. रमाश्री मुख्य अन्वेषिका है । 11,85,800/- की राशी मंजूर किया गया था और रुपये 7,16,800/- की राशी पहले किस्त के रूप में जारी किया गया था । रकम को परियोजना के लिए खर्च किया गया और प्रतिवेदन युजीसी प्रस्तुत किया गया ।

2. दो वर्ष की अवधी के लिए ''श्रीमदांध्र भागवत में मानवीय मूल्य'' शीर्षक परियोजना वि.अ.ए. द्वारा मंजूर की गई । डा. नल्लन्ना प्रधान अन्वेषक हैं । रु 4,95,800/- मंजूर किया गया था और रुपये 3,57,500/- की राशि - पहले किस्त के रूप में जारी किया गया था । राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि की प्रतीक्षा है ।

3. सामान्य अनुसंधान परियोजना :- दो वर्ष की अवधी के लिए ''कुछ गुणवत्ता आश्वासन पहलुओं की वेब डिजाईनिंग भारत विश्वविद्यालय वेब साइटों की विशेष संदर्भ में'' शीर्षक परियोजना मंजूर की गई । डा. जी. श्रीधर प्रधान अन्वेषक हैं । रु. 1,80,000/- की राशि मंजूर किया गया था और रु. 1,20,000/- की राशी पहले किस्त के रूपमें जारी की गई । राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि की प्रतीक्षा है ।

4. प्रमुख अनुसंधान परियोजना : - ''व्युत्पत्ति विषयक बहुभाषी शब्दकोष की तैयारी'' शीर्षक दो वर्ष की परियोजना मंजूर की गई थी । डा. के. सूर्यनारायण प्रधान अन्वेषक हैं । रु. 10,00,000/- की राशि मंजूर किया गया था और रुपये 7,50,000/- की राशी पहले किस्त के रूप में जारी किया गया था । राशि खर्च की जा चुकी है और अनुदान की शेष राशि का इंतजार है ।

VI. आधारिक संरचना

अ. ग्रंथालय :

विद्यापीठ ग्रंथालय की मुर्दित पुस्तक संग्रह 3,195 पुस्तकों जोडकर, 1,04,876 तक बढ़ गया। कुल पांडुलियों का संग्रह 8,022 शीर्षकों के साथ 3,919 तक बढ़ गया है । दिनांक 31.3.2015 के आँकडे के अनुसार एच मुलली शर्मा, शोधछात्र द्वारा डिजिटल के रूप में उपहार दिया गए 1 पांडुलिपि है। प्रो. वी.ए.स. विष्णुभट्टाचार्युलु, आगम विभाग के विभागाध्यक्ष, को 10 पांडुलिपियों (7 पाम पत्र पांडुलिपि, 3 पांडुलिपियों) को प्रात्प किया है ।ग्रंथालय हर साल 150 भारती पत्रिकाएँ और 5 विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता ले रही है । वर्ष के दौरान 28,565 पुस्तकों की लेन देन है ।

अब वि.अ.ए. इन्फ्लिब्नेट् कार्यक्रमों के सहारे यह विद्यापीठ का ग्रंथालय सारा गणकीकृत हो चुका है । अर्जन, क्याटलॉगींग और परिचालन अनुभाग सारा अपने - आप कार्य करता है । ओप्याक व्यवस्था को जनता के लिए रखा गया है। बारकोडिंग किताबों का कार्य सब समाप्त हो गया है ।

अलग-अलग विषयों के किताबें और पांडुलिपियाँ आदि सब ग्रंथालय में उपलब्ध हैं । वे निम्न हैं -

साहित्य, व्याकरण, श्रीमद्भगवद्गीता, वेदांत, अद्वैत वेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत, द्वैत वेदांत, मीमांस, योग, साङ्ख्य, न्याय, वैशेषिक, उपनिषद, ज्योतिष, रामायण, महाभारत, भारतीय विज्ञान, गणितशास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान, भारतीय धर्म, बुद्धीजम, जैनीजम्, अन्य धर्म वैदिक साहित्य, पुराण साहित्य, पाश्चात्य तत्त्वज्ञान, इन्डोलाजी, चरित्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, ग्रंथालय शास्त्र, आयुर्वेद, हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, तेलुगु साहित्य, कला और वास्तुशास्त्र, कानून्, अन्य विशेष (महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, श्री अरबिंदो आदि) सम्मेलन और स्मरणोत्सव खण्ड, प्रचलित क्याटलॉग् में पांडुलिपियाँ उपस्थित हैं।

ग्रंथालय का उपयोग करनेवाले :

विश्वविद्यालय ग्रंथालय ने 1500 सदस्यों को बनाया है । हर बार ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को यह ग्रंथालय बनाती है। कम- से - कम हर दिन पाँच सौ सदस्य - ग्रंथालय का उपयोग लेते हैं । और एक सौ लोग छुट्टियों में ।

आ. छात्रावास :

चार छात्रावास छात्रों के लिए और तीन छात्राओं के लिए बनाया गया है । एक छात्रावास शोध छात्रों के लिए निर्मित किया गया।

छात्रों के छात्रावासों के नाम - शेषाचल, वेदाचल और गरुडाचल आदि प्राक्-शास्त्री से विद्यावारिधी तक हैं । दो अलग-अलग भोजन शाला और एक जुडा हुआ पाक गृह है। उनमें उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय भोजनों की सुविधा दी गई है । जिससे देश के अलग - अलग जगह से आए छात्र - छात्राओं को ज्यादा फायदा हो सके ।

नीलाचल छात्र वास नए भवन का नाम नीलाचल रखा गया है । इस में 150 छात्रों को रहने की सुविधा होगी।

'श्री पद्मावती महिला छात्रावास' लडकियों के लिए है । इसमें प्राक्-शास्त्री से विद्यावारिधी तक की लडकियाँ रहती हैं । अलग पाकगृह और भोजनशाला की सुविधा दी गयी है । यहाँ सुविधानुसार छात्रावास बनाने को सोचा जा रहा है ।

नये महिला छात्रावास को हाल ही में बनाकर आनेवाले छात्राओं को रहने की इंतजाम कर देने के लिए विद्यापीठ तैयार है । इसका खर्चा तकरीबन एक करोड रुपये तक आने की संभावना मानी जाती है । यहाँ कमसे कम 125 छात्राएँ रह सकती हैं।

सिंहाचल शोध छात्रावास - ग्यारहवें योजना के मुताबिक वि अ ए द्वारा शोध छात्रों के लिए स्वीकृती प्राप्त छात्रावास की निर्माण हो चुका है । यहाँ लगभग 125 छात्र रह सकते हैं ।

अतिथि गृह - इस वर्ष के दौरान अतिथि गृह में एक और मंजिल बनाया गया। लिफ्ट को भी व्यवस्थित किया गया।

वकुलाचल महिला छात्रावास :

वकुलाचला नाम से एक महिलाछात्रावास का निर्माण किया गया । जिस में २०० छात्र रह सकते हैं ।

इ. मन:शास्त्र प्रयोगालय :

इस मन:शास्त्र प्रयोगशाला को वैज्ञानिकता में छात्र प्रशिक्षणता को ध्यान में रखते हुए आई.ए.एस.ई. ने निर्माण किया है । यह शाला शिक्षा शास्त्री (बी.एड्.) और शिक्षाचार्य (एम्.एड्.) छात्रों को अत्यंत उपयोगी है ।

ई. बहु भाषा माध्यम प्रयोगालय :

यह बहु भाषा माध्यम प्रयोगालय संस्कृत और अंग्रेजी प्रशिक्षणार्थियों को सुविधाजनक है । 'संस्कृत भाषिका' नामक संस्कृत प्रक्रिया सामग्री फिलहाल तैयारी में है । इसे उच्चतर पर बनाने का विचार जारी है । इस प्रयोगशाला का उपयोग, भाषा सीखनेवालों, संस्कृत, सांस्कृतिक ज्ञानि आदियों को सुविधाजनक हों इसीलिए गणकीकृत बनाया जा रहा है ।

उ. वर्णानुसार गैलरी :

वर्णानुसार गैलरी (लिपि विकास प्रदर्शनी) का निर्माण 2003 में उत्कृष्टता परियोजना के अंतर्गत किया गया है । इस वर्णानुसार गैलरी को निर्माण करने का मकसद प्राचीन युग से वर्णों का विकास करना था । (3000 बी.सी.) अब प्रांतीय स्तर पर लिपि विकासित हो रही है । (9 वी सदी ए.डी.)

आरंभ से हिंद प्रांत के नागरिकों को भाषाई ज्ञान बडाने हेतु लिखना व पढाने के लिए आसान बनाने में डा. एस्.आर. राव जैसे ख्यात विज्ञानियों का योगदान है । प्रारंभ से हिंद लिपि का संबंध सेमेटिक लिपि से ही है । अवेस्तन और वैदिक संस्कृत भाषाएँ (फोनेटिक, सेमेटीक और व्याकरण) ऐसे बहुत सारे द्रवीडियन भाषाएँ (विद्वानों से परिचर्यात हैं) हरचानीगई ऋग्वेद के समय की कही जाती है।

ऐतिहासिक काल से हिंद लिखावट अच्छी मानी गई है । खासकर जो लिपि मुद्रित होती हैं । ये मुद्रित हिंद लिपियाँ महत्वपूर्ण हैं । उनमें लोथा नामक पाश्चात्य भारतीय शोधकर्ता ने 1950-1980 में काम किया है । यह गैलरी भी मुद्रित करने में महेजोदाडो (पाकिस्तान) और कालिबंगान (भारत) साथ ही साथ प्राचीन पूर्वी भारतीय हिस्सा, जैसे कीस्स और बरगा, डा. (सुमेर-ईराक), हिस्सार तथा बहरेन । हिंद के मुद्रित माडल वैली, मुद्रा, स्कुलाचर, ब्रोंचस आदि को लोग अपनी जीवन में अपनाने लगे । और संस्कृत इतिहास को सीखने लगे । आज-कल वेदिक कन्सेप्ट और अध्यात्मीक समय को कितना हम जानते हैं; यह सोच पर निर्भर हैं ।

ऊ. प्रसारित अंतर्जाल सुविधा :

विद्यापीठ ने अपने कर्मचारियों एवं छात्रों को अंतर्जाल की सुविधा बनाए रखी है । यह सुविधा विद्यापीठ में प्रसारित के (के.बी.पी.एस.) डिसनेट और (256 के.बी.पी.एस.) नेट में दी है ।

अंतर्जाल : यह सुविधा यहाँ के शहरी हिसाब से चलती है ।

ऋ. कंप्यूटर केंद्र :

विद्यापीठ में उपकरणों से सुसज्जित कंप्यूटर केंद्र है जो अधिक से अधिक छात्रों की आवश्यकता पूरी कर सकता है ।

1. दो पेपरों को प्राकशास्त्री के लिए अनिवार्य किया ।
2. शास्त्री में कम्प्यूटर अप्लिकेशन के लिए आठ पेपर ।
3. बीएससी में कम्प्यूटर विज्ञान के लिए आठ पेपर ।

4. एम एस सी में बारह पेपर (कम्प्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा तकनीकी।
5. एम ए संस्कृत में 5 पेपर (शाब्दबोधा और संस्कृत भाषा तकनीकी)।

इसके अलावा विभाग युजीसी द्वारा अनुमोदित सांयकाल कक्षाएँ, जो करियर ओरियंटेड पाठ्यक्रम को भी चला रहा है ।

- डीटीपी कोर्स (प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, अड्वान्स डिप्लोमा)
- वेबतकनीकी कोर्स (प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, अड्वान्स डिप्लोमा)

इसके अलावा विभाग विश्वविद्यालय वेबतकनीकी, हार्डवेर, साफ्टवेर रखवावव तथा नेटवर्क की समस्याओं को हल करता है । वर्ष के दौरान वेबसैट को हिंदी अनुवाद भी कर रहा है ।

ए. कर्मचारी मकान :

विद्यापीठ ने दो टाईप - V मकान, एक टाइप - IV मकान, एक टाइप - III I मकान, एक टाइप-II मकान और दो टाइप- मकान 22 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को निवास हेतु बनाया गया है ।

ऐ. बहुविध व्यायाम शाला :

छात्रों के शारीरिक तंदुरुस्ती हेतु इस बहुविध व्यायाम शाला का विद्यापीठ में निर्माण किया गया है ।

यह बहुविध व्यायाम शाला के 16 केंद्र है -

कुल्हामांसपेशि : यह केंद्र कुल्हा, मांसपेशि को भी दोबारा विकास करता है । **ऊँचा चरखीदार :** यह नाडी युक्त मांसपेशि का विकास करता है । ऊँचापन, खांसी मांसपेशि, बाहें, चौडी छाती, कंधों को सुधार ने में ऊँची चरखीदार मदद करता है । जितना चाहे उतना तोलकर अपने कंधे के सहारे उठा सकते हैं । **उदर संबंधी बेंच :** यह साधन उदर संबंधी है । उदर के सहारे व्यक्ति जितना हो सके, उतना ही बोझा उठा सकता है । **भोरमुल यंत्र :** यह यंत्र बहुत ही उपयुक्त है । एक बार शरीर में ताजी हवा लेने लगे तो शरीर बडा तंदुरुस्त लगने लगता है। बडते तनाव को **रोकना :** यह यंत्र शरीर के आगे और पीछे के हिस्से का विकास करवाता है । **मरोडना :** यह व्यायाम शरीर के मांसपेशियों में ताकत भरता है । एक तरह से पूरे शरीर को तोड-मरोड करवाता है । **बांहे, हृदयंगम छल्लेदार :** इस व्यायाम शरीर के घुटने, बाहें, हथेली, माथा, एल्बो आदि मांसों का विकास करने में मदद करता है। **पेक्क डेक्क :** यह तंदुरुस्त मांसोंवाला मनाता है । और मांस, हड्डी को विकास करवाता है। **छुबकीदार:** यह यंत्र के प्रकार से हुबकी लगाने जैसा होता है । इससे शरीर के अंग-अंग फूल उठता है । मांसों में भी विकास होता है । **पैर से दबाना :** यह दोनों पैरों से चलता है । घुटने और एडियों में ताकत भरने में मदद करता है । मांस में भी विकास करता है । **स्काऊट दबाव :** इसके सहारे घुटने की मांस एवं एडियों में जोर बरनेवाला होता है । **पुल्ल अप्स:** यह यंत्र अपनी तरफ ध्विंचने का होता है । यह बाहों, छाती आदि में चौडाई लाने में सफल करवाता है।

इस बहुविध व्यायाम शाला का फायदा विद्यापीठ के कर्मचारी एवं छात्र सभी डा. एम.आदिकेशवुलु नायुडु, प्रवाचक एवं अध्यक्ष, व्यायाम शिक्षा विभाग जी के निरीक्षण में ले सकते हैं ।

VII. स्थापना/प्रशासन

नियुक्तियाँ :

वर्ष के दौरान प्रतिवेदन के तहत 1. अर्ध पेशेवर सहायक, 5 लिपिक , 1. प्रयोगशाला सहायक, 1. पुस्तकालय सहायक और 10 लोगों को ग्रूप "सी" एम टी एस के रूप में नियुक्त किया गया ।

नियुक्तियाँ :

श्री के. रमेश बाबू	अर्ध पेशेवर सहायक
श्री ए.पी.मुरली	लिपिक
श्री एम.वी.ए.सत्य बालाजी	लिपिक
श्रीमति वै. गुणवती	लिपिक
श्रीमति पी.जी.भार्गव	लिपिक
श्रीमति के.नागवेणी	लिपिक
श्री एन.वेंकट रमण प्रसाद	प्रयोगशाला सहायक
श्रीमति जि.वसुंधरा	पुस्तकालय सहायक
श्री सि.विश्वनाथन	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्री एच.प्रसाद	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्री डि.मोहन रेड्डी	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्री वि.बि.पवन कुमार	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्री के.श्रीनिवास	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्रीमति पि.मल्लेश्वरी	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्री बि.रविकुमार	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्री एन.हरिनाथ बाबू	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्रीमति बि.विजय	ग्रूप -'सी' एमटी एस
श्री एम.रमेश बाबू	ग्रूप -'सी' एमटी एस

शिक्षक कर्मचारी :

अध्यापक गण- वर्ष के दौरान प्रतिवेदन के तहत डा.वी.वी.जड्डीपाल, डा.आर.दीप्ता, डा.आर.सदाशिवमूर्ति और डा.के.सूर्यनारायण को आचार्य पद की पदोन्नती हुई ।

अध्यापकेतर गण - श्री पी.श्रीनिवासुलु, श्री ए.रामु, श्री सी.वि.पुरुषोत्तम राव को लिपक पद की पदोन्नती हुई। श्री टि.सत्यनारायण को पुस्तकालय सहायक पद की पदोन्नती हुई ।

सेवा निवृत्तियाँ :

श्री एस. मोहन 31.07.2015 को सेवानिवृत्त हुए ।

वर्ष के दौरान विद्यापीठ के अधिकारियों की बैठक :

1. प्रबंधन बोर्ड : 20.04.2015 ; 04.01.2016 ; 31.01.2016

2. वित्त समिति : 03.09.2015 ; 04.11.2015

3. विद्वत परिषद : 19.04.2015 ; 30.01.2016